समाज विकास

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन का मुखपत्र

• दिसम्बर २०२० • वर्ष ७१ • अंक १२

मूल्य : ₹ १० प्रति, वार्षिक ₹ १००

२५ दिसम्बर २०२० : अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के ८६वें स्थापना दिवस समारोह के अवसर पर समारोह के मुख्य अतिथि दिल्ली के माननीय मुख्यमंत्री श्री अरविंद केजरीवाल, विशिष्ट अतिथिगण दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष श्री रामनिवास गोयल एवं सांसद डॉ. सुशील गुप्ता के साथ परिलक्षित हैं सर्वश्री पवन गोयनका, राजकुमार मिश्रा, लक्ष्मीपत भूतोड़िया तथा अन्य केन्द्रीय-प्रांतीय पदाधिकारीगण।

२७ दिसम्बर २०२० : झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन के आतिथ्य में आयोजित सम्मेलन की अखिल भारतीय समिति की बैठक में, राँची में राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया। साथ में परिलक्षित हैं सर्वश्री बसंत मित्तल, ओमप्रकाश अग्रवाल, पवन शर्मा एवं अन्य प्रांतीय पदाधिकारीगण।

पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन के नवनिर्वाचित अध्यक्ष

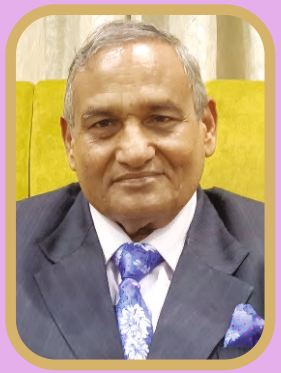

श्री ओमप्रकाश खण्डेलवाल

| www.dollarglobal.in | Buy Online: www.dollarshoppe.in | Also available at all leading shopping portals

Dollar products are available in over 800 cities/towns and 100,000 MBOs across India | Govt. Certified STAR EXPORT HOUSE

समाज विकास

◆ दिसम्बर २०२० ◆ वर्ष ७१ ◆ अंक १२
◆ एक प्रति - ₹१० ◆ वार्षिक - ₹१००

अनुक्रमणिका

शीर्षक — पृष्ठ संख्या

- **सम्पादकीय : शिव कुमार लोहिया** ४
  आइये, समाज को हम अपना सर्वश्रेष्ठ दें!
- **अध्यक्षीय : गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया** ५-६
  सम्मेलन – कल आज और कल
- **रपट –**
  सम्मेलन का ८६वाँ स्थापना दिवस समारोह ७-१०
  सम्मेलन की अखिल भारतीय समिति की बैठक १२-१३
- **प्रांतीय समाचार : पूर्वोत्तर** १४
- **आलेख : संजय हरलालका** १५
  'कोरोना' न बणावो 'करुणा'
- देव-स्तुति १९
- सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत २८-३०

स्वत्वाधिकारी

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन
All India Marwari Federation

प्रशासनिक एवं सम्पर्क कार्यालय : **४बी, डकबैक हाउस, ४१, शेक्सपीयर सरणी, कोलकाता - ७०००१७**
फोन : ०३३-४००४ ४०८९
पंजीकृत कार्यालय : १५२बी (द्वितीय तल), महात्मा गांधी रोड कोलकाता - ७००००७

◆ email: aimf1935@gmail.com
◆ Website : www.marwarisammelan.com

स्वत्वाधिकारी ऑल इण्डिया मारवाड़ी फेडरेशन के लिये **श्री भानीराम सुरेका** द्वारा ऑल इण्डिया मारवाड़ी फेडरेशन, ४बी, डकबैक हाउस (४ तल्ला), कोलकाता-१७ से प्रकाशित तथा सी.डी.सी. प्रिंटर्स प्रा. लि., ४५, राधानाथ चौधरी रोड, कोलकाता - ७०००१५ से मुद्रित।

◆ प्रेरक संपादक : सीताराम शर्मा ◆ सम्पादक : शिव कुमार लोहिया

प्रकाशित रचनाओं से सम्पादकीय सहमति अनिवार्य नहीं है।

सम्मेलन के मौजूदा सत्र (२०२०-२२) हेतु पदाधिकारियों की घोषणा

गत २१-२२ नवम्बर २०२० को राँची, झारखंड में सम्पन्न अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के २६वें राष्ट्रीय अधिवेशन में राष्ट्रीय अध्यक्ष का दायित्वग्रहण के पश्चात श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया ने गत २६ नवम्बर २०२० को वर्तमान सत्र (२०२०-२२) हेतु राष्ट्रीय पदाधिकारियों के नामों की घोषणा की जो निम्नवत हैं –

राष्ट्रीय उपाध्यक्ष

श्री भानीराम सुरेका (कोलकाता)
श्री पवन कुमार गोयनका (दिल्ली)
श्री पवन कुमार सुरेका (दरभंगा)
श्री अशोक कुमार जालान (सम्बलपुर)
डॉ. श्याम सुंदर हरलालका (गुवाहाटी)
श्री विजय कुमार लोहिया (चेन्नई)

राष्ट्रीय महामंत्री

श्री संजय हरलालका (कोलकाता)

राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री

श्री गोपाल अग्रवाल (कोलकाता)
श्री सुदेश कुमार अग्रवाल (कोलकाता)

राष्ट्रीय संगठन मंत्री

श्री बसंत कुमार मित्तल (राँची)

राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष

श्री दामोदर प्रसाद बिदावतका (कोलकाता)

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन
4बी, डकबैक हाउस (चौथा तल्ला)
41, शेक्सपियर सारणी, कोलकाता-700 017

समाज से सादर निवेदन

वैवाहिक अवसर पर मद्यपान करना - कराना धार्मिक एवं सामाजिक दोनों रूप से उचित नहीं है।

प्री-वेडिंग शूट
हमारी सभ्यता एवं संस्कृति के खिलाफ है।

समाजहित में इनसे परहेज करें।

निमंत्रण में ई-कार्ड को बढ़ावा दें।

आइये, समाज को हम अपना सर्वश्रेष्ठ दें!

हम सब २०२० के अंतिम पड़ाव पर पाँव धर चुके हैं। यह वर्ष अप्रत्याशित एवं अकल्पनीय विषम परिस्थितियों के बीच गुजरा है। मानव ने अपनी जिजीविषा एवं जुझारूपन के साथ इसका सामना किया है। नये-नये नियम, नये-नये मापदंड स्थापित करते हुए जनजीवन को सामान्य बनाने की लगातार कोशिश जारी है। सुरंग के अंत में प्रकाश की किरणें दिखाई देने लगी हैं। आशा किया जाता है कि जल्द ही हम इस संकट के साथ सामंजस्य बैठाते हुए नये वर्ष में प्रवेश करेंगे।

यह एक संकट की घड़ी है। संकट की घड़ी में मनुष्य के चरित्र का परिचय मिलता है। ऐसी परिस्थिति में मनुष्य अपने छिपे हुए या दबे हुए ऊर्जा एवं प्रतिभा को काम में लगाता है। वर्षा और तूफान फूलों को तबाह कर सकते हैं, लेकिन बीज को नष्ट नहीं कर सकते। हम सब जानते हैं, इन परिस्थितियों के कारण सम्मेलन के राष्ट्रीय अधिवेशन के आयोजन में विलम्ब हुआ। फिर भी सम्मेलन की गरिमा एवं परम्परा के अनुसार गणतांत्रिक एवं नैतिक मूल्यों का परिचय देते हुए गत २१-२२ नवम्बर को राष्ट्रीय अधिवेशन सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। इस अधिवेशन में झारखंड के राज्यपाल श्रीमती द्रौपदी मुर्मू एवं राज्यसभा के उपाध्यक्ष श्री हरिवंश जी की गरिमापूर्ण उपस्थिति सम्मेलन एवं उसके राष्ट्रीय अधिवेशन के महत्व को पुष्ट करता है। सन् १९३५ में अपने स्थापना के बाद से सम्मेलन समाज का विभिन्न विषयों पर सशक्त प्रतिनिधित्व करता आया है। साथ ही समाज के उचित मार्गदर्शन के साथ-साथ, नये-नये मापदंड स्थापित करता आया है। अक्सर यह देखा गया है कि लोग अपने कर्तव्यों को भूल जाते हैं पर अधिकारों को याद रखते हैं। सम्मेलन अपने सम्पूर्ण इतिहास में अपने कर्त्तव्यों के प्रति सजग रहते हुए विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से गतिशील रहा है। यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि सम्मेलन ने अन्य संस्थाओं के लिए उदाहरण प्रस्तुत किया है। परिस्थिति के अनुसार सम्मेलन सदैव अपने को ढालकर समाज के लिये प्रासंगिक रहा है। इस प्रकार के संस्था को करने को बहुत कुछ रहता है। कवि की कुछ पंक्तियाँ याद आ रही है जो मेरी समझ में, सम्मेलन की प्रतिबद्धता को परिभाषित करती है –

गति प्रबल पैरों में पड़ी
फिर क्यों रहूँ दर-दर खड़ा
जब आज मेरे सामने
है रास्ता इतना पड़ा
जब तक न मंजिल पा सकूँ
तब तक न मुझे विराम है
चलना हमारा काम है।

मानव व्यवहार तीन मुख्य स्रोतों से निर्मित होता है – इच्छा, भावना और ज्ञान। सम्मेलन के नेतृत्व एवं कार्यकर्ताओं में इन तीनों का समावेश रहा है। फलस्वरूप हम विश्वास के साथ अपने कदम बढ़ाते हैं। अगर हम विश्वास के साथ अपना कार्य संपादन करते हैं तो हम दुगुने शक्तिशाली हो जाते हैं।

सम्मेलन विगत वर्षों में मुख्य रूप से समाज सुधार एवं समाज विकास के गठनमूलक कार्यक्रमों में ही संलग्न रहा है। यह अपने तरह की एकमात्र सामाजिक संस्था है जो अपने समाज की खामियों की ओर नजर रखता है एवं उसे दूर करने के लिये असरदार प्रयास करता है। साथ ही साथ हमारी खूबियाँ, हमारी संस्कृति, हमारे संस्कार, हमारी भाषा के संरक्षण एवं संवर्द्धन के लिये प्रयत्नशील रहता है। समय की नजाकत एवं समाज की ज्वलंत आवश्यकताओं के मद्देनजर समय समय पर सम्मेलन सेवा प्रकल्प भी सम्पादित करता आया है। इसी कड़ी में हाल ही में एक व्यापक कार्यक्रम 'अन्नपूर्णा की रसोई' के नाम से हाथ में लिया गया है। यही कारण है कि सम्मेलन के उद्देश्यों एवं कार्यों को समाजबंधुओं एवं देश के गणमान्य व्यक्तियों का आशीर्वाद प्राप्त रहा है। गत दो सत्रों में सदस्यता अभियान की अभूतपूर्व सफलता सम्मेलन के प्रासंगिकता एवं महत्व को दर्शाता है। इस बात का हमें गर्व है कि देश के सभी महत्वपूर्ण राज्यों में जहाँ समाज का प्रतिनिधित्व है, सम्मेलन सक्रिय है। पिछले कुछ वर्षों की गतिविधियों के फलस्वरूप सम्मेलन की नींव और गहरी हो गई है। शनैः शनैः सम्मेलन की आवाज अब सत्ता के गलियारों में भी सुनी जाने लगी है, जो कि वर्तमान परिवेश में संस्था के व्यापक संगठन की ओर इंगित करता है।

हमारा नया सत्र इस माह से प्रारम्भ हो रहा है। हमारे नये राष्ट्रीय अध्यक्ष सम्मेलन के प्रवीण समर्पित कार्यकर्ता रहे हैं। विभिन्न पदों पर रहते हुए उन्होंने अपने समर्पण, उत्साह एवं सफलता के साथ अपने सभी उत्तरदायित्वों का निर्वहन किया है। उनके नेतृत्व में सम्मेलन नयी ऊँचाईयों को प्राप्त करेगा, इसमें कोई शक नहीं। कामयाबी तभी मिलती है जब अवसर एवं तैयारी का पूरी तरह मेल हो जाता है। श्री गाड़ोदिया के नेतृत्व में सम्मेलन दोनों उपादानों से भरपूर है। युद्ध जैसी परिस्थिति से हम गुजर रहे हैं। नयी चुनौतियों के हम सम्मुखीन हैं। ऐसी परिस्थिति में कुशल नायक का महत्व बढ़ जाता है। समाज की सेवा करने का अवसर हमें अपना ऋण चुकाने का मौका देता है। हमारा समाज चुनौतियों का सामना करने में कभी भी पीछे नहीं हटा है। बल्कि यह कहें कि चुनौतियों के साथ हमारा पुराना नाता है। आइये, हम समाज को अपना सर्वश्रेष्ठ दें। सर्वश्रेष्ठ ही हमारे पास लौट कर आयेगा।

शिव कुमार लोहिया

अध्यक्षीय

सम्मेलन – कल आज और कल

– गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया

स्नेही-सुधी समाजबंधु,

सर्वप्रथम अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के ८६वें स्थापना दिवस पर आप सबको हार्दिक बधाई! इस पुण्य अवसर पर स्वयं को सम्मेलन के समाजकल्याणकारी लक्ष्यों हेतु पुनर्समर्पित करते हुए मैं समस्त समाज के सर्वांगीण विकास की कामना करता हूँ!

बहुत प्रचलित कहावत है जिससे आप सभी लोग अवगत होंगे – आवश्यकता आविष्कार की जननी है। किसी भी समाज में, व्यवसायिक समुदाय में या राजनैतिक स्तर पर जब कोई समस्या सामने आती है तो उसके निवारण हेतु संगठन की आवश्यकता होती है। अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की स्थापना भी २५ दिसम्बर १९३५ को कुछ समस्याओं के निराकरण हेतु हुई। प्रमुख समस्या थी प्रवासी मारवाड़ियों को नागरिकता के अधिकार से वंचित रखना। उस वक्त हम ब्रिटिश सरकार द्वारा शासित थे। एक श्वेतपत्र प्रकाशित कर, ब्रिटिश सरकार ने देशी रियासतों के नागरिकों को ब्रिटिश सरकार के नागरिकता के अधिकार से वंचित कर दिया। इससे प्रवासी मारवाड़ी बहुत ज्यादा प्रभावित हुए, क्योंकि जहाँ वे रह रहे थे वहाँ उन्हें नागरिक अधिकार से वंचित कर दिया गया था। सोच कर देखिए जहाँ आप रह रहे हों और वहाँ आपको नागरिक अधिकार ही न हो!!

सम्मेलन के प्राणपुरुष स्वर्गीय ईश्वरदास जालान ने कहा था कि नागरिकता के अधिकार से वंचित होने से देश के विभिन्न क्षेत्रों में बसे मारवाड़ियों को विदेशी माना जाता और वह मताधिकार सहित सभी नागरिक अधिकारों से वंचित हो जाते। परंतु यह समाज को कतई स्वीकार नहीं था और इससे निजात पाने के लिए समाज को वृहद रूप से संगठित करने का प्रयास शुरू हुआ। फलस्वरूप अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की स्थापना की गई। स्वर्गीय ईश्वरदास जालान, स्वर्गीय काली प्रसाद खेतान, स्वर्गीय बद्री प्रसाद गोयनका आदि ने इस कार्य का बीड़ा उठाया। समाज के विशिष्ट व्यक्तियों तथा स्वनामधन्य स्वर्गीय घनश्याम दास बिरला और स्वर्गीय जमुनालाल बजाज आदि से संपर्क साधा गया और राजनीतिक दबाव से अंततः देशी रियासतों के वासियों को नागरिक अधिकार पुनः प्राप्त हुए।

इस जटिल कार्य के संपादित होने के पश्चात समाज में अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की एक अच्छी छवि उभरी। सम्मेलन ने सामाजिक हित के कार्यों को अपने हाथ में लिया। समाजसेवा, शिक्षा, चिकित्सा, व्यापार आदि सभी इसमें प्रमुख थे। धीरे-धीरे लोगों में राजनीतिक चेतना भी आने लगी। समाजसेवा के साथ समाज-सुधार के कार्य भी किए जाने लगे। पर्दाप्रथा, विधवा-विवाह, नारीशिक्षा, उच्च शिक्षा, बालविवाह-उन्मूलन आदि इसमें प्रमुख थे। इसमें समाज ने काफी हद तक सफलता पाई। पर्दाप्रथा तथा बालविवाह पूर्ण रूप से समाप्त हो चुके हैं। पर्दा उठते-उठते शरीर पर से कपड़े भी कम होने लगे। अब उसकी जगह शालीनता से वस्त्र पहनने की बात हो रही है। बालविवाह की बात छोड़िए, अब तो विवाह की उम्र ३० के पार जा रही है जो सोचनीय है। अब समाज में नारियाँ साक्षर ही नहीं हैं, अन्य लोगों को भी साक्षर कर रही हैं। आज मारवाड़ी महिलाएँ प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों के कुलपति पद तक को सुशोभित कर रही हैं। युवकों ने शिक्षा के हर क्षेत्र में अपना झंडा गाड़ दिया है। युवतियाँ भी पीछे नहीं हैं, हर क्षेत्र में युवकों को चुनौती दे रही हैं। विधवा विवाह में भी अब कोई सामाजिक बाधा नहीं रही।

इसके उपरांत दहेजप्रथा, दिखावा, आडंबर, फिजूलखर्च आदि पर समाज आंदोलित हुआ। दहेज प्रथा तो लगभग समाप्तप्राय है पर उसकी जगह आडंबर एवं फिजूलखर्ची ने ले ली है। दिखावा पहले भी था और उसके विरोध में समाज में चर्चाएँ होती थी पर आज तो दिखावा, फिजूलखर्ची और आडंबर ने सभी सीमाएँ लाँघ दी हैं। सम्पन्न वर्ग में इसे समझने के लिए फुर्सत नहीं है। मध्यम श्रेणी एवं सीमित आय श्रेणी के लोग इससे बहुत ज्यादा प्रभावित हैं। सम्मेलन के स्थापना दिवस पर हम सबको आत्मनिरीक्षण अवश्य करना चाहिये कि क्या हम अपने स्वनामधन्य बुजुर्गों के दिखाये मार्ग पर चल रहे हैं। यदि भटकाव हो रहा है तो उसका समय रहते निदान एवं उपचार करना चाहिये। मैं समाज के लोगों से अपील करता हूँ कि सादगी पर आएँ। फिजूलखर्ची के बजाय वही पैसा अपनी बच्चियों को दें, समाजसेवा में लगाएँ, अभी भी बहुत से लोग महँगी शिक्षा एवं महँगे इलाज से त्रस्त हैं। क्यों न हम उनकी पतवार बनें। आडम्बर में क्षणिक सुख मिलेगा पर किसी की भी पतवार बनने में अनंत सुख मिलेगा। अब यह निर्णय आपको लेना है कि क्षणिक सुख चाहिए या अनंत सुख। फिर जिसकी पतवार बनें, उसकी दुआ और आशीर्वाद आपके साथ हैं।

आजकल समाज में तलाक की बढ़ती प्रवृत्ति चिंताजनक है। तलाक या डिवोर्स जैसा कोई शब्द हमारे शास्त्रों एवं

धर्मग्रंथों में नहीं है। यहाँ तक कि हिन्दी भाषा में इसका कोई पर्यायवाची शब्द भी नहीं है। कारण हमारे यहाँ विवाह संस्कार को एक सात्विक शाश्वत संस्कार माना जाता है, जो जीवनपर्यंत निभाना है। कोई विशेष लाचारी या मुश्किल है तो उसे अपवादस्वरूप लेना चाहिए। शाश्वत संबंधों में अहं नहीं आना चाहिए।

आजकल शादी समारोह में मदिरापान, सड़कों पर महिलाओं एवं पुरुषों द्वारा नाचना, आतिशबाजी, शादी के पहले फोटो शूट, घूमना-फिरना, अवांछित आचरण आदि बढ़ रहे हैं। सम्मेलन इस हेतु बराबर समाज को सचेष्ट कर रहा है। प्रभाव भी पड़ रहा है। पर फिर भी बहुत कमी नहीं आई है। मैं समाज से अनुरोध करना चाहता हूँ कि हमें इस हेतु समझदारी दिखानी चाहिए ताकि हमारा भविष्य सुरक्षित रह सके। जितनी भी सामाजिक बुराईयाँ हैं, उनका मूल कारण नैतिक मूल्यों में होता जा रहा ह्रास है। अतः हम सबको मिलकर हमारे पुराने मूल्यों एवं आदर्श संस्कारों पर ध्यान देना चाहिए।

पिछले सत्र में संगठन सुदृढ़ीकरण पर काफी काम हुआ है। हम इसे आगे भी जारी रखेंगे। संगठन में शक्ति होगी तो हमें कोई भी अनावश्यक रूप से परेशान नहीं करेगा। हमें प्रयास करना होगा कि हर प्रांत में अपनी प्रादेशिक शाखा हो तथा हर परिवार से सम्मेलन का ताल्लुक हो, जुड़ाव हो। उच्च शिक्षा के लिए जिस तरह कोष का गठन किया गया है एवं समाज के होनहार बच्चों को उसका लाभ मिल रहा है। उसी तरह ज़रूरतमंद बंधुओं के लिए चिकित्सा कोष का भी गठन समय की आवश्यकता है, इस पर हम विचार करेंगे।

एक बार पुनः आप सबको सम्मेलन के स्थापना दिवस की हार्दिक बधाई! साथ ही, आंग्ल नव वर्ष में आप सभी के सुख, समृद्धि, प्रगति एवं अच्छे स्वास्थ्य की मंगलकामना! नव वर्ष राष्ट्र एवं समाज के लिए शुभ हो!

संस्कारों की नाव पर, समय की धार पर...

– रतनलाल बंका
राँची

आओ चलें हम
संस्कारों की नाव पर
समय की धार पर
आओ चलें हम

गीतों की गूँज पर,
घूमर पे झूम कर,
मायड़ भाषा बोलकर,
परंपराएँ तौल कर,
आओ चलें हम....

अन्य भाषाएँ सीख कर,
ज्ञान अपना ठीक कर,
संस्कृति का मान कर,
कलाकृति का ध्यान कर,
आओ चलें हम....

रूढियों को छोड़कर,
नई दिशा पर मोड़ कर,
समाज से जोड़कर,
कुप्रथा को छोड़कर,
आओ चलें हम....

धरोहर पर अभिमान कर,
सौहार्द का सम्मान कर,
मदिरा का त्याग कर,
मत पीछे जा भाग कर,
आओ चलें हम....

गठजोड़ा रख जोड़कर,
क्या मिलेगा तोड़कर,
सात्विक संस्कार पर,
मत 'ईगो' की मार कर,
आओ चलें हम....

दुर्जनता सीमा पार अगर,
मुश्किल हो जाए साथ अगर,
निर्णय लेना विचार कर,
तब दोष नहीं है त्याग कर,
आओ चलें हम....

शादी का सम्मान कर,
मर्यादा का मान कर,
फोटो शूट की न बात कर ,
संस्कारों पर न आघात कर,
आओ चलें हम....

बड़े बड़ों का मान कर,
माँ-बाप का सम्मान कर,
उन पर तू अभिमान कर,
ऋण उनका है ध्यान कर,
आओ चलें हम....

संस्कारों की नाव पर, समय की धार पर
आओ चलें हम.....

समाज एवं राष्ट्र के सर्वांगीण विकास हेतु समर्पित है मारवाड़ी समाज : अरविंद केजरीवाल

"एक समय था जब मारवाड़ी समाज को सिर्फ उद्योग-व्यापार के लिए जाना जाता था, पर आज ये व्यापार के साथ-साथ कला, साहित्य, संस्कृति, तकनीक आदि अन्य क्षेत्रों में भी अपना उल्लेखनीय स्थान बना चुके हैं। साथ ही, समाजसेवा एवं परोपकार के कार्यों हेतु, ये सदैव तत्पर रहते हैं। मारवाड़ी समाज द्वारा पूरे देश में निर्मित धर्मशाला, मंदिर, विद्यालय, कॉलेज, अस्पताल आदि दर्शाते हैं कि ये अपने सामाजिक दायित्व का निर्वहन पूरी निष्ठा से करते हैं। राष्ट्र के सर्वांगीण विकास में इनका योगदान अतुलनीय है।" ये उद्‌गार हैं दिल्ली के माननीय मुख्यमंत्री **श्री अरविंद केजरीवाल** के जो उन्होंने अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के ८६वें स्थापना दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए व्यक्त किये। समारोह का आयोजन गत २५ दिसम्बर २०२० को वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से दिल्ली, कोलकाता एवं राँची से संयुक्त रूप से किया गया।

माननीय मुख्यमंत्री ने स्थापना दिवस के अवसर पर सम्मेलन से जुड़े सभी लोगों को बधाई दी। अपने सम्बोधन में श्री केजरीवाल ने कहा कि हमारी संस्कृति का आदर्श रहा है कि मारवाड़ी समाज के लोग देश के जिस भी हिस्से में रहते हैं, स्वयं की मेहनत से अर्जित धन का एक हिस्सा वहाँ के जनकल्याणकारी कार्यों हेतु खर्च करते हैं। प्राकृतिक आपदाओं की स्थिति में, प्रभावित लोगों की तत्काल सहायता, राहत एवं बचाव कार्य एवं उनके पुनर्वास की व्यवस्था में अपना यथासम्भव योगदान इनकी परम्परा रही है। मारवाड़ियों की विशिष्टता बताते हुए उन्होंने कहा कि ये बहुत संवेदनशील लोग होते हैं। अगर किसी ने इनका दिल जीत लिया तो ये उस पर अपना सब कुछ न्योछावर कर सकते हैं।

शिक्षा एवं स्वास्थ्य की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि इन क्षेत्रों में मूलभूत सुधार, किसी भी समृद्ध समाज के लिए अति आवश्यक है। उन्होंने कहा कि अगर हम ठान लें तो कोई भी कार्य मुश्किल नहीं है। शिक्षा, स्वास्थ्य एवं अन्य बुनियादी क्षेत्रों में सुधार कर, देश से गरीबी को दूर किया जा सकता है।

इसके पूर्व, समारोह का विधिवत शुभारम्भ मुख्यमंत्री कार्यालय, दिल्ली में सम्मेलन के केन्द्रीय-प्रांतीय पदाधिकारियों के साथ दिल्ली विधानसभा के माननीय अध्यक्ष श्री रामनिवास गोयल द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। वीडियो माध्यम से जुड़ी राँची से सुश्री लिपिका बंका गाड़ोदिया ने गणेश वंदना प्रस्तुत किया। तत्पश्चात् सभी गणमान्य अतिथियों का स्वागत माला, मोमेण्टो एवं शॉल प्रदान कर किया गया।

झारखंड से हरमू रोड, राँची स्थित मारवाड़ी भवन परिसर में उपस्थित प्रांतीय पदाधिकारियों एवं सदस्यों के समक्ष झारखंड सम्मेलन के अध्यक्ष **श्री ओमप्रकाश अग्रवाल** ने पुष्पगुच्छ प्रदान कर राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गोवर्धन गाड़ोदिया का स्वागत किया। कार्यक्रम के दौरान राँची से राष्ट्रीय संगठन मंत्री **श्री बसंत मित्तल**, प्रांतीय महामंत्री **श्री पवन शर्मा**, **न्यायमूर्ति श्री रमेश मेरठिया** सहित प्रांतीय पदाधिकारी एवं सदस्यगण उपस्थित थे।

अपने स्वागत संबोधन में सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया** ने कहा कि महात्मा गांधी ने कहा था – राजनैतिक परिवर्तन सहज है किन्तु सामाजिक परिवर्तन बहुत कठिन एवं समय लेने वाला कार्य है। सम्मेलन इसके लिए विभिन्न स्तरों से प्रयासरत है। सम्मेलन अपने स्थापना काल से ही, विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से सामाजिक कुरीतियों एवं आडम्बरों के प्रति समाज को जागरूक करने का कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि समाज सुधार के साथ-साथ सम्मेलन शिक्षा, स्वास्थ्य एवं अन्य सेवाकार्यों के प्रति भी निरंतर प्रयासरत है। सम्मेलन द्वारा संचालित उच्च शिक्षा कोष एवं रोजगार सहायता के माध्यम से आर्थिक रूप से कमजोर समाज के मेधावी छात्र-छात्राओं की शिक्षा में सहायता प्रदान की जा रही है एवं रोजगार उपलब्ध करवाये जा रहे हैं। वर्तमान कोरोनाकाल में सम्मेलन द्वारा गठित कोरोना राहत सेवाकार्य समिति के अन्तर्गत विभिन्न प्रकल्पों द्वारा समाज के गरीब एवं वंचित वर्ग की सहायता की जा रही है। उन्होंने बताया कि '**मारवाड़ी सम्मेलन भोजनालय**' प्रकल्प में '**अन्नपूर्णा रसोई**' कार्यक्रम के अन्तर्गत कोलकाता के

विभिन्न स्थानों पर रोजाना ३०० गरीब लोगों को निःशुल्क भोजन उपलब्ध करवाया जा रहा है। अत्यंत हर्ष व्यक्त करते हुए उन्होंने बताया कि स्थापना दिवस के अवसर पर २५ दिसम्बर से ही, बिहार में भी अनेक शाखाओं द्वारा 'अन्नपूर्णा रसोई' कार्यक्रम का शुभारम्भ किया जा रहा है।

श्री केजरीवाल के वक्तव्य को प्रेरणादायक बताते हुए समारोह के विशिष्ट अतिथि दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष **श्री रामनिवास गोयल** ने कहा कि मारवाड़ी समाज सिर्फ राजस्थान में नहीं है। मारवाड़ से निकलकर आज ये देश और दुनिया के कोने-कोने तक पहुँच गये हैं। विषम परिस्थितियों में भी ये डटकर खड़े रहते हैं, इनको हराना बहुत कठिन है। समाज और राष्ट्र की प्रगति में मारवाड़ी समाज की अहम और सक्रिय भूमिका है।

कोलकाता से वीडियो माध्यम से जुड़े समारोह के विशिष्टअतिथि, वरिष्ठ लोकसभा सांसद **श्री सुदीप बंद्योपाध्याय** ने मारवाड़ी समाज में अपना पूरा विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि इनसे मेरा बहुत पुराना जुड़ाव है। ये बहुत ही शांतिप्रिय लोग होते हैं और माँगने की बजाय देने में विश्वास रखते हैं। कोलकाता इनका दूसरा नहीं, बल्कि पहला घर बन गया है। कोरोना के प्रति जागरूक करते हुए उन्होंने लोगों से मास्क पहनने और शारीरिक दूरी सहित अन्य दिशा-निर्देशों के अनुपालन की बात

कही। सम्मेलन के सर्वोच्च सम्मान से सम्मानित होने पर उन्होंने श्री अरविंद केजरीवाल को बधाई दी एवं उनके कोलकाता से जुड़े होने पर अपनी प्रसन्नता व्यक्त की। साथ ही, क्रिसमस के मौके पर उन्होंने सभी उपस्थितों को अपनी शुभकामनाएँ दी।

विशिष्ट अतिथि एवं राज्यसभा सांसद **डॉ. सुशील गुप्ता** ने कहा कि मैं पहले मारवाड़ी हूँ, बाद में सांसद। अपने वक्तव्य में उन्होंने कहा कि मारवाड़ी जहाँ भी रहते हैं, सभी का ख्याल रखते हैं। कम संख्या में होने के बावजूद, ये पूरे गाँव-शहर की अर्थव्यवस्था का ध्यान रखते हैं। उन्होंने कहा कि व्यापार में लोग इन पर आँख मूँदकर भरोसा करते हैं। उन्होंने सभी समाजबंधुओं से लोगों के भरोसे को कायम रखने एवं अपनी सेवाभाव बनाये रखने की अपील की।

समारोह के प्रधान वक्ता, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं समाजचिंतक **श्री सीताराम शर्मा** ने कलकत्ता से श्री अरविंद केजरीवाल के जुड़ाव को याद करते हुए उनको आधा बंगाली बताया। उन्होंने कहा कि जिस व्यक्ति ने ३८ वर्ष की आयु में 'रेमन मेग्सेसे' जैसा प्रतिष्ठित अन्तर्राष्ट्रीय सम्मान प्राप्त कर लिया हो, ४५ वर्ष की आयु में दिल्ली जैसे

सम्मान समारोह

उपस्थित केन्द्रीय-प्रांतीय पदाधिकारियों एवं सदस्यों के हर्षनाद एवं करतल ध्वनि के बीच दिल्ली के जनप्रिय मुख्यमंत्री श्री अरविंद केजरीवाल को **'मारवाड़ी सम्मेलन राजस्थानी व्यक्तित्व सम्मान – २०१९'** से अलंकृत करने की प्रक्रिया प्रारंभ हुई। परम्परानुसार, श्री केजरीवाल का संक्षिप्त परिचय सम्मेलन के **राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री पवन कुमार गोयनका** ने प्रस्तुत किया। तत्पश्चात् श्री गोयनका, दिल्ली के प्रादेशिक अध्यक्ष **श्री लक्ष्मीपत भूतोड़िया** एवं निवर्तमान प्रादेशिक अध्यक्ष **श्री राजकुमार मिश्रा** द्वारा माला, श्रीफल, तिलक, शॉल, मानपत्र एवं एक लाख रुपयों की सम्मान-राशि का चेक प्रदान किया गया। श्री केजरीवाल ने इस सम्मान हेतु संपूर्ण मारवाड़ी समाज एवं प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से उपस्थित सम्मेलन के सभी प्रतिनिधियों एवं सदस्यों का आभार प्रकट किया।

ज्ञातव्य है कि सम्मेलन एवं दिल्ली की समाजसेवी संस्था **रामनिवास आशारानी लाखोटिया ट्रस्ट** के संयुक्त तत्वावधान में २०१४ में स्थापित यह सम्मान सम्मेलन द्वारा प्रतिवर्ष राष्ट्र एवं समाज के सांस्कृतिक, सामाजिक, साहित्यिक, शैक्षणिक, औद्योगिक एवं चारित्रिक विकास के क्षेत्र में अनूठे एवं महत्वपूर्ण योगदान के लिए राजस्थानी मूल के एक व्यक्ति को दिया जाता है। स्थापना वर्ष २०१४ में इस सम्मान से प्रेसीडेंसी विश्वविद्यालय की कुलपति, **सुख्यात वैज्ञानिक एवं शिक्षाविद श्रीमती अनुराधा लोहिया** को, वर्ष २०१५ हेतु भारत के सर्वोच्च न्यायालय के पूर्व **मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति श्री रमेशचन्द्र लाहोटी** को, वर्ष २०१६ हेतु समर्पित **समाजसेवी पद्मविभूषण श्रीमती राजश्री बिड़ला** को, वर्ष २०१७ हेतु **उद्योगपति-समाजसेवी श्री अनिल अग्रवाल** (चेयरमैन, वेदान्ता ग्रुप) को एवं वर्ष २०१८ हेतु **लोकसभाध्यक्ष श्री ओम बिरला** को सम्मानित किया गया था।

राज्य के मुख्यमंत्री बन गये हों, उनको अपने सर्वोच्च सम्मान से सम्मानित कर, मारवाड़ी सम्मेलन ने उनसे अधिक अपना सम्मान किया है। सम्मान को स्वीकार कर, इन्होंने सम्मेलन का मान बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि 'आप' और सम्मेलन के उद्देश्यों में बड़ी समानता है। आप व्यवस्था, शासन और राजनीति को सुधारना चाहते हैं और पिछले ८५ वर्षों से अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन सामाजिक सुधार का ही कार्य कर रहा है।

श्री शर्मा ने वरिष्ठ लोकसभा सांसद श्री सुदीप बंद्योपाध्याय को कोलकाता में मारवाड़ियों एवं संपूर्ण प्रवासी हिंदी-भाषी समाज का सच्चा हितैषी एवं प्रतिनिधि बताया। मारवाड़ियों की साख के विषय में बताते हुए उन्होंने कहा **'न खाता, न बही, जो मारवाड़ी कहे, वही सही।'** उन्होंने इस साख को बनाये रखने की बात कही। सामाजिक सुधार को उन्होंने सबसे बड़ा सुधार बताया।

समारोह में उपस्थित द्वारका, दिल्ली के विधायक **श्री विनय मिश्रा** ने मारवाड़ी समाज की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए कहा कि अपनी नौकरी-पेशा एवं उद्योग-व्यापार के साथ-साथ ये समाजहित में सदैव तत्पर रहते हैं। असाधारण समय में इनके द्वारा किया गया नेक और परोपकारी कार्य इनके समर्पण एवं सेवाभाव को दर्शाता है। स्थापना दिवस की बधाई देते हुए उन्होंने सम्मेलन को सदैव अपने सहयोग की बात कही।

कोलकाता के डकबैक हाउस स्थित सम्मेलन कार्यालय सभागार से सम्मेलन के राष्ट्रीय महामंत्री **श्री संजय हरलालका**, राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री **श्री सुदेश अग्रवाल**, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष **श्री दामोदर बिदावतका** एवं निवर्तमान राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष **श्री कैलाशपति तोदी** उपस्थित थे। दिल्ली, कोलकाता एवं राँची से सामंजस्य बैठाते हुए समारोह का कुशल संचालन राष्ट्रीय महामंत्री श्री संजय हरलालका ने किया। धन्यवाद-ज्ञापन वीडियो माध्यम से जुड़े सम्मेलन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष **श्री भानीराम सुरेका** ने किया। दिल्ली में समारोह आयोजन में सर्वश्री **ओमप्रकाश अग्रवाल, अनिल जैन, बाबुलाल दुग्गड़, गोपाल सुथार** एवं **सौरभ भारद्वाज** की सक्रिय भूमिका रही।

समारोह में वीडियो माध्यम से सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्षगण सर्वश्री **नंदलाल रुँगटा, डॉ. हरिप्रसाद कानोड़िया, रामअवतार पोद्दार, प्रह्लाद राय अगरवाला** एवं **संतोष सराफ**, सर्वश्री **आत्माराम सोंथलिया, नंदलाल सिंघानिया, शिव कुमार लोहिया**, राष्ट्रीय उपाध्यक्षगण सर्वश्री **पवन सुरेका, अशोक जालान, डॉ. श्याम सुंदर हरलालका एवं विजय कुमार लोहिया**, राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री **श्री गोपाल अग्रवाल**, प्रादेशिक अध्यक्षगण सर्वश्री **गोविंद अग्रवाल** (उत्कल), **महेश जालान** (बिहार), **पुरुषोत्तम सिंघानिया** (छत्तीसगढ़), **रमेश बंग** (तेलंगाना), **डॉ. सुभाष अग्रवाल** (कर्नाटक), **गोकुल चंद बजाज** (गुजरात), **नंदकिशोर अग्रवाल** (पश्चिम बंग), **श्याम सुंदर अग्रवाल** (केरल) सहित सर्वश्री **ओ.पी. खंडेलवाल, अशोक केडिया, बी.एल. अग्रवाल, अजय गुप्ता, अमर बंसल, धरमचंद मोदी, अमर कुमार दहलान, गणेश कुमार खेमका, जे.के. बजाज, कौशल राजगढ़िया, मधुसूदन सीकरिया, मनीष टिबड़ेवाल, मुकेश जैन, पवन जालान, राजेश पोद्दार, रंजीत डालमिया, रतनलाल अग्रवाल, संजीव केडिया, शिव हरि बंका, सुरेश अग्रवाल, विनोद किला, शांतिलाल जैन, सुरेश कमानी, काशी प्रसाद धेलिया, मानिक चंद पुगलिया, राजेश बजाज, हरिशंकर अग्रवाल, मतादीन अग्रवाल** के अलावा देशभर से सम्मेलन के पदाधिकारियों एवं सदस्यों की उपस्थिति रही।

To your taste buds, with love...

Refreshingly, yours.

Indulgently, yours.

Addictively, yours.

Spicily, yours.

Healthily, yours.

Nourishingly, yours.

Delightfully, yours.

Obsessively, yours.

Temptingly, yours.

Passionately, yours.

Snackingly, yours.

Yours Tastefully Anmol™

celebrating 25 years

BISCUITS

www.anmolindustries.com | Follow us on:

संस्कार-संस्कृति के प्रति जागरूक रहे भावी पीढ़ी : गोवर्धन गाड़ोदिया

संगठन-विस्तार सहित सभी क्षेत्रों में सम्मेलन की प्रगति उत्साहजनक : सीताराम शर्मा

"अपने स्थापनाकाल से ही, सम्मेलन अपनी सभ्यता, संस्कृति, भाषा एवं विशेषकर संस्कार संरक्षण के प्रति सदैव सचेत रहा है। हमारे युवक-युवतियों, तरुण-तरुणियों को अपने संस्कारों के प्रति जागरूक रखना आज समय की माँग है। इस दिशा में अपने-अपने स्तर पर सम्मेलन की शाखाएँ/समाजबंधु निरंतर कार्य करते रहते हैं। तथापि, इस विषय पर अपनी भावी पीढ़ियों को जागरूक रखने के लिए संगठित रूप से कार्य करने की आवश्यकता है। वर्तमान सत्र में यह मेरी प्राथमिकताओं में होगा।" ये वक्तव्य हैं अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया** के जो उन्होंने गत २७ दिसम्बर २०२० को सम्मेलन की सर्वोच्च नीति निर्धारक अखिल भारतीय समिति की बैठक में बोलते हुए व्यक्त किये। बैठक का आयोजन झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन के आतिथ्य में वीडियो कान्फ्रेंस के माध्यम से कोलकाता एवं राँची से संयुक्त रूप से किया गया।

श्री गाड़ोदिया ने सम्मेलन की अभी तक की उपलब्धियों को अभूतपूर्व बताते हुए उनको और आगे ले जाने की बात कही। समाज सुधार, संगठन-विस्तार, सेवाकार्य के साथ-साथ, उन्होंने भावी पीढ़ी को अपने संस्कार-संस्कृति के प्रति सचेत एवं जागरूक रखने पर बल दिया। उन्होंने बताया कि केन्द्रीय सम्मेलन की प्रेरणा से सम्मेलन की भोजनालय योजना 'अन्नपूर्णा की रसोई' की शुरूआत अन्य प्रांतों में भी हो रही है, यह अत्यंत हर्ष का विषय है।

श्री गाड़ोदिया ने सर्वप्रथम, वर्तमान सत्र की अखिल भारतीय समिति की पहली बैठक में सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद हेतु अपने निर्विरोध निर्वाचन के लिए समिति के सभी सदस्यों का हार्दिक आभार निवेदित किया। साथ ही, गत २१-२२ नवम्बर २०२० को राँची, झारखंड में आयोजित सम्मेलन के २६वें राष्ट्रीय अधिवेशन में मार्गदर्शन हेतु सभी पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्षों का तथा इसकी सर्वरूपेण सफलता के लिए स्वागताध्यक्ष श्री विनय सरावगी एवं उनकी पूरी टीम का एवं कुशल आतिथ्य के लिए झारखंड सम्मेलन के अध्यक्ष श्री ओमप्रकाश अग्रवाल, महामंत्री श्री पवन शर्मा सहित सभी केन्द्रीय एवं प्रांतीय पदाधिकारियों का हार्दिक आभार प्रकट किया।

बैठक को सम्बोधित करते हुए पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री सीताराम शर्मा** ने कहा कि लगभग पूरे देश में आज सम्मेलन की उपस्थिति है। केन्द्र और प्रांतों के बीच आपसी सामंजस्य बढ़ा है। केन्द्रीय सम्मेलन के एक आह्वान पर सामाजिक कार्यों में प्रांतों द्वारा बढ़-चढ़कर सहभागिता की जाती है। उन्होंने कहा कि सम्मेलन में युवा नेतृत्व की भी वृद्धि हुई है जो हर्ष का विषय है और इसका सकारात्मक प्रभाव भी दिख रहा है।

पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री नंदलाल रुँगटा** ने कहा कि समाज के वंचित तबकों की चिकित्सा में सहायता आज समय की माँग है। इस हेतु एक प्रकल्प की स्थापना हमारी प्राथमिकताओं में है। उन्होंने सम्मेलन का विस्तार नगर-ग्राम शाखा तक कर, समाज के अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति तक पहुँचने की बात कही। निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री संतोष सराफ** ने अपने वक्तव्य में कहा कि देश के कम-से-कम ३०० जिलों में सम्मेलन का अपना कार्यालय हो, इसके लिए हमें सामूहिक प्रयास करना होगा।

बैठक में अखिल भारतीय समिति की पिछली बैठक (११ जुलाई २०२०; वीडियो कान्फ्रेंस के माध्यम से) का कार्यवृत पारित हुआ। राष्ट्रीय महामंत्री **श्री संजय हरलालका** ने पिछली बैठक के बाद से अब तक के सम्मेलन के क्रियाकलापों पर **'महामंत्री की रपट'** एवं सम्मेलन के २६वें राष्ट्रीय अधिवेशन पर संक्षिप्त रपट प्रस्तुत की। साथ ही, श्री हरलालका ने सम्मेलन के भावी कार्यक्रमों का खाका भी सदस्यों के समक्ष रखा।

कार्यसूची के अनुसार, संविधान की धारा १०(१) के अन्तर्गत राष्ट्रीय कार्यकारिणी तथा धारा ९(१६) के अन्तर्गत विभिन्न उपसमितियों के गठन के निर्णय का अधिकार सर्वसम्मति से राष्ट्रीय अध्यक्ष को सौंपा गया।

कार्यसूची के अनुसार, सम्मेलन के बैंक खाताओं के संचालन हेतु पदाधिकारियों को अधिकृत करने के विषय में विचार-विमर्श हुआ और इस हेतु आवश्यक कदम उठाने का अधिकार राष्ट्रीय अध्यक्ष को दिया गया।

कार्यक्रम का शुभारम्भ झारखंड सम्मेलन के प्रांतीय अध्यक्ष **श्री ओमप्रकाश अग्रवाल** द्वारा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गोवर्धन गाड़ोदिया का पुष्प गुच्छ से स्वागत कर किया गया। अपने वक्तव्य में श्री अग्रवाल ने प्रांत में चल रहे विभिन्न कार्यक्रमों के विषय में जानकारी दी।

राष्ट्रीय संगठन मंत्री **श्री बसंत मित्तल** ने कहा कि सम्मेलन को लेकर लोगों में उत्साह है और लोग इससे जुड़ने को उत्सुक हैं। उन्होंने संगठन-विस्तार पर जोर देते हुए कहा कि आगामी दिनों में पूरे देश में दौरा कर, इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाये जायेंगे।

बिहार सम्मेलन के अध्यक्ष **श्री महेश जालान** ने बताया कि सम्मेलन के स्थापना दिवस के अवसर पर गत २५ दिसम्बर को बिहार के ३६ शाखाओं द्वारा एक साथ 'अन्नपूर्णा रसोई' कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया। इसके अलावा, प्रदेश में रक्तदान, अंगदान, नेत्रदान, देहदान के प्रति लोगों को जागरूक करने हेतु विचारगोष्ठिओं का आयोजन भी किया जा रहा है।

तमिलनाडु सम्मेलन के प्रादेशिक अध्यक्ष **श्री अशोक मूँधड़ा** ने प्रदेश में चल रहे विभिन्न कार्यक्रमों के विषय में बताते हुए कहा कि स्वास्थ्य एवं सेवाकार्य से सम्बंधित कई प्रकल्पों पर विचार चल रहा है। उन्होंने भावी कार्यक्रमों हेतु तमिलनाडु सम्मेलन को आतिथ्य का मौका देने का अनुरोध किया।

तमिलनाडु सम्मेलन के प्रादेशिक उपाध्यक्ष **श्री जगदीश प्रसाद शर्मा** ने स्वास्थ्य की महत्ता पर जोर डालते हुए स्वास्थ्य संबंधी योजनाओं एवं समाज के जरूरतमंद लोगों को निःशुल्क उपचार मुहैया करवाने हेतु प्रकल्प पर अपने विचार प्रकट किये।

प्रादेशिक अध्यक्षों सर्वश्री **नंदकिशोर अग्रवाल** (पश्चिम बंग), **लक्ष्मीपत भूतोड़िया** (दिल्ली), **गोविंद अग्रवाल** (उत्कल) एवं **डॉ. सुभाष अग्रवाल** (कर्नाटक) ने भी अपने संक्षिप्त विचार रखे।

धन्यवाद-ज्ञापन करते हुए राष्ट्रीय उपाध्यक्ष **श्री अशोक जालान** ने कहा कि किसी भी सामाजिक कार्यक्रम की सफलता हेतु एक मजबूत संगठन आवश्यक है। अंत में, दिवंगत विशिष्ट संरक्षक सदस्यों हरि प्रसाद अग्रवाल एवं रतन मारोठिया तथा उत्कल सम्मेलन के पूर्व अध्यक्ष विश्वनाथ मारोठिया को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। **बैठक का समापन राष्ट्रीय गान के साथ किया गया।**

बैठक में पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री रामअवतार पोद्दार**, राष्ट्रीय उपाध्यक्षगण **सर्वश्री भानीराम सुरेका, पवन गोयनका, पवन सुरेका, विजय लोहिया**, राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्रीद्वय **श्री गोपाल अग्रवाल** एवं **श्री सुदेश अग्रवाल**, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष **श्री दामोदर बिदावतका, न्यायमूर्ति रमेश मेरठिया, सर्वश्री आत्माराम सोंथलिया, पुरुषोत्तम सिंघानिया, कैलाशपति तोदी, दिनेश जैन, राजकुमार मिश्रा, पवन शर्मा, अशोक केडिया, गौरीशंकर अग्रवाल, जुगल किशोर जाजोदिया, निर्मल काबरा, नरेन्द्र तुलस्यान, ओ.पी. टिबड़ेवाल, बी. एल. अग्रवाल, गणेश खेमका, संजय शर्मा, शिव हरि बंका, कैलाश दुग्गड़, रतनलाल बंका, राजकुमार मूँधड़ा, विष्णु दयाल अग्रवाल, रंजीत डालमिया, प्रकाश पटवारी, गोपी धुवालिया, शांतिलाल जैन, एस.एस. गोयनका, प्रदीप जैन, हरिकिशन अग्रवाल, पवन बजाज, रमेश गोयनका, सुरेश कमानी, निर्मल झुनझुनवाला** सहित देशभर से सम्मेलन के पदाधिकारी-सदस्यगण उपस्थित थे।

पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन का प्रांतीय चुनाव

ओम प्रकाश खंडेलवाल होंगे पूर्वोत्तर सम्मेलन के नये अध्यक्ष

प्रांतीय अध्यक्ष के चुनाव हेतु गठित तदर्थ समिति के निर्देशानुसार पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन के सत्र २०२०-२२ हेतु प्रांतीय अध्यक्ष का चुनाव गत ०६ दिसम्बर २०२० को ऑनलाइन सम्पन्न हुआ।

चुनाव में श्री ओमप्रकाश खंडेलवाल एवं श्री कैलाश काबरा प्रत्याशी थे। मतगणना के पश्चात चुनाव अधिकारी श्री कृष्ण कुमार जालान ने श्री ओमप्रकाश खंडेलवाल को विजयी घोषित किया।

नवनिर्वाचित अध्यक्ष ओमप्रकाश खंडेलवाल ने अपने निर्वाचन हेतु आभार व्यक्त करते हुए सबके साथ मिलकर समाजहित में कार्य करने की बात कही।

संक्षिप्त जीवन परिचय : श्री ओमप्रकाश खण्डेलवाल

श्री ओमप्रकाश खण्डेलवाल एक हँसमुख, मिलनसार, प्रगतिशील सोच व जुझारु व्यक्तित्व के स्वामी होने के साथ ही निष्ठावान सामाजिक कार्यकर्ता हैं।

आपका जन्म ९ दिसंबर १९४६ को राजस्थान के सीकर जिले के राणोली ग्राम में हुआ था। आपकी प्रारंभिक शिक्षा उच्चतर माध्यमिक स्तर तक राजस्थान में हुई तथा वाणिज्य में स्नातक की डिग्री गुवाहाटी के प्रतिष्ठित कॉमर्स कॉलेज से प्राप्त की। तत्पश्चात् आपने कानून की पढ़ाई गवर्नमेंट लॉ कॉलेज, मुंबई से प्राप्त की। आपने वकालत के पेशे को अपनाते हुए गोलाघाट, असम में वकालत प्रारंभ की तथा कुछ अर्से तक कॉलेज में अवैतनिक प्राध्यापक का कार्य भी किया। लेकिन बाद में पारिवारिक व्यवसाय की जिम्मेदारी निभाने के कारण आपको शिक्षा व कानून के पेशे को त्यागना पड़ा।

आप मारवाड़ी सम्मेलन मे १९७० से जुड़े हुए हैं। आपका सम्मेलन से जुड़ाव अपने पूज्य पिताजी से सामाजिक विरासत के रूप में प्राप्त हुआ था। आपके पिताजी स्व. जयदेव खण्डेलवाल ने दो बार प्रांतीय अध्यक्ष तथा एक बार राष्ट्रीय उपाध्यक्ष के रूप में सम्मेलन व समाज को अपनी सेवाएँ प्रदान की थीं। आपकी धर्मपत्नी श्रीमती प्रेमलता खण्डेलवाल ने गुवाहाटी शाखा, मारवाड़ी महिला समिति की संस्थापक अध्यक्षा तथा अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन की प्रांतीय अध्यक्षा एवं राष्ट्रीय उपाध्यक्षा के रूप में अपनी महत्वपूर्ण सेवाएँ प्रदान की हैं। श्री ओमप्रकाश जी खण्डेलवाल का बचपन से ही समाजसेवा से लगाव रहा है तथा महज ९ वर्ष की उम्र से ही आप अपने पैतृक गाँव में समाजसेवा से जुड़ गये थे। आपने सम्मेलन के गोलाघाट शाखा के अध्यक्ष, फिर प्रांतीय महामंत्री के रूप में तथा उसके पश्चात दो बार राष्ट्रीय उपाध्यक्ष के रूप में अपनी महत्वपूर्ण सेवाएँ प्रदान की। अपने जीवन काल में आपने राज्य तथा राष्ट्र की विभिन्न व्यापारिक, औद्योगिक, शैक्षणिक, साहित्यिक, सांस्कृतिक, धार्मिक तथा दातव्य न्यास एवं सेवाभावी संस्थाओं में विभिन्न पदों पर कार्य करते हुए अपनी समर्पित सेवा देते आये हैं और अब भी दे रहे हैं। सामाजिक कार्यों के प्रति आपका उत्साह आज भी पूर्ववत बरकरार है।

'कोरोना' न बणावो 'करुणा'

स्वास्थ पर द्यो 'ध्यान', बेमलब क खरचे पर लगावो 'पूर्णविराम'

– संजय हरलालका
राष्ट्रीय महामंत्री, अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन

सैंसे पैळी सम्मेलन क बडेरा अर आप सगळा न मेरा प्रणाम। कारजकर्ता के तौर पर २००८ म सम्मेलन स जुड़णे क बाद आज राष्ट्रीय महामंत्री क रुप म आपके सामने आपकी बात राख रह्यो हूँ। प्रयास कर रह्यो हूँ कै आपणी बोलचाल की मायड़ भासा म बात राखूँ, जठै गलती लागै, बठे माफ करोगा अर सुधार को मोको देवोगा तो ओर अच्छो लागसी।

लारळै करीब १० म्हीनां स आपां जी टेम-काल से गुजर रह्या हाँ, बो न तो कदै सुण्यो थो, न देख्यो थो। कानूनी रूप स कोई जुर्म करे बिना ही आपां घरां म कैद होगा, मुंह छिपाणे की नौबत आगी, पास-पड़ोस, दोस्त-यार, सगा-सम्बन्धी, सैंसे दूर होग्या। अठै तक कै आपकै घर क मिनख की मौत होणै पर भी बांको अंतिम संस्कार आपके हाथां स करणे अर शामिल होणे तक पर रोक लागगी। इसै बुरो ओर के हो सकै है। या बालणजोग कोरोना आपांनै कुण सी सदी मांय लेगी, बता कोनी सकां। पर कहावत है क अगर **आपां बुराई म भी भलाई खोजंगा, तो बा भी मिलैगी**। कोरोना का मांय भी अंयालकी कैंई अच्छाईयां छिपेड़ी है, जिकी नै अगर आपां आपणे जीवण मांय अपणा लेवां तो भोत सारी समस्यावां खुद ही खतम हो जावैगी। अठे बात आपां स्वास्थ अर दिखावै म बे मतलब के खरचे की ही करां।

कोरोना को डर आपणै मांय इ कदर समायो क आरामतलब जिन्दगी जीणै हाळा लोग भी आपकै स्वास्थ पर ध्यान देवे लागा। योगा-व्यायाम-दिनगै पैळी घूमे-फिरे लागा। खानपान म सुधार कर लियो, जंक फूड स दूर भागै लागा। इम्यूनिटी बढ़ाणे क खातर हल्दी को दूध, गरम पानी को सेवन, फल-हरी सब्जी खावै लागा, गरम पाणी की भाप लेवे लागा। इको सबसे ज्यादा फायदो यो होयो कै आपणै सरीर की कई बीमारियां दूर होगी, पेट साफ रेवै लागो, सुबह जल्दी उठणे की आदत पड़गी, टेम से भोजन करा लागा, सर्दी-खांसी नैड़े कोणी आरी और दवाईयां को सेवन कम होगो। अगर बतळावण अस्पताल अर डाक्टरां की करां तो या बात सामणै आई है क कोरोना की ई टेम में नियमित रोगियां की गिणती कम होगी। रोगियां की भीर स भरा रेणै वाला डॉक्टर का चैम्बर टेम के पैळी ही खाली होवै लागा। जो बात कैई जाती ही कै **पैळो सुख निरोगी काया**, बा परमाणित होवे लागी। तो कोरोना काल मांय इसो बडो फायदो ओर के हो सको हो। जीवन स बडो तो क्यूँ होवे कोणी, अर कोरोना आपाणे जीवण जीणो को तरीको सिखा दियो, जो कि आपां भौतिक सुख की चकाचौंध में भूळग्या हा।

बात बेमतलब क खरचे की करां तो अेन-केन-प्रकारेण होणे हाळी कमाई या उधार लेकर भी आपां अनाप-शनाप खरचो करै लागा हा। अपणे आप न बडो दिखाणै अर दूसरां की बराबरी करणै क खातर या तो मेहनत स जमा करैडे धन अर कमाई न बरबाद कर रह्या था या करजे म डूब रह्या था। कोरोना काल म इ खरचै पर अंकुश लागगो। होटळां म जाणो, घूमणो-फिरणो, सैर-सपाटा बंद होग्या। इणे-गिणे परिवार, सगा सम्बन्धी अर दोस्त-यारां की हाजिरी म टाबरां को ब्याह होवे लागो, इको सैंसे ज्यादा फायदो वे माँ-बापां न होयो, जिका परिवार अर समाज की लाज-शरम म दिखावै क लिये करजो लेकर भी खरचो करा हा अर बुढ़ापे की बाकी जिन्दगी बिनै चुकाणे म गुजार देवा हा। धारमिक अर सामाजिक कारजकर्म म भी अनाप-शनाप होणे हाळो खरचो रुकगो। क्यूंके अेक तो कोरोना क कारण भीड़ पर रोक है, दूजो-लोग भी डर क कारण कोणी आणो चावे अर तीजो है चन्दे-चिट्ठे म कमी।

अब दरकार ई बात की है कै आपांणै कोरोना जो रास्तो दिखायो है, बीनै आपां आगै भी आपणे जीवण मांय अपनावां। बैंयां भी आम आदमी की पैळी से कमाई कम होगी, धंधे अर रोजगार म पैळी वाली बात कोनी रैई। जरूरत को खरचो भी बढ़्यो है।

कोरोना म जद लॉकडाउन होयो जणा केई लोग आतमहत्या कर्‌या। कारण कई हा, कोई की नौकरी छूटगी ही तो कोई करजै म डूबोड़ो हो, कोई आपके जीवण मांय धन को संचय कोनी कर्‌यो हो, अर अचानक कमाई बंद होता ही रोटी को भी ळाळो पड़गो हो। जै पैळी से ही सावचेत रहता क जीवण मांय कदै भी कोई मुसीबत आ सकै हो तो शायद आ नौबत कोनी आती। पर कहावत है क **जब जागो तभी सबेरा**। अबार भी आपाँणे चेत जाणो चाहिजे। कोरोना स सीख लेता हुआ आपणी जीवणशैली म बदळाव करणो चाहिजे।

अगर आप सगळां ने मेरी बात आछी लागै तो खुद ई बातां न अपनाता हुया औरां न भी प्रेरित करोगा, या अरदास है। अर अगर मनै मेरे विचारां म कोई सुधार करणो होवै, तो जरूर स बतावोगा, या थारे स आस है।

संजय हरलालका

सम्मेलन के कोरोना राहत सेवाकार्य के अन्तर्गत निःशुल्क भोजन वितरण

एस.एन. बनर्जी रोड : ०१-३१ दिसम्बर २०२० (समर्पित दिनों के अलावा)

रासमनी बागान लेन, टैंगड़ा : ०५ दिसम्बर २०२०

१३ दिसम्बर २०२० को भूतनाथ मंदिर, निमतल्ला के निकट निःशुल्क भोजन वितरण

सम्मेलन के कोरोना राहत सेवाकार्य के अन्तर्गत निःशुल्क भोजन वितरण

१६ दिसम्बर २०२० को चेतला शिव मंदिर के निकट निःशुल्क भोजन वितरण

नरसिंह बोस लेन, हावड़ा : २२ दिसम्बर २०२०

२५ दिसम्बर २०२० को भूतनाथ मंदिर, निमतल्ला के निकट निःशुल्क भोजन वितरण

जी.टी. रोड, साउथ हावड़ा : २७ दिसम्बर २०२०

फल नहीं, औषधि है आँवला

आँवला वृक्ष को यदि देवताओं का वृक्ष या हरिप्रिय कहा जाए तो कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी। सब रोगों को हरने वाला आँवला सचमुच मानव के लिए वरदान ही है। इसको विभिन्न नामों से जाना जाता है जैसे श्रीफल, आमलक, अमृतफल आदि। आँवला भारत में बहुतायत से मिलता है। आँवला स्वाद में कसैला और खट्टा होता है। इसका प्रयोग चाहे कच्चे रूप में करें, पका कर, सुखाकर, रस निकालकर मुरब्बे के रूप में करें, यह हर हाल में मानव को लाभ पहुँचाता है। आँवले के फल में बहुत से रस विद्यमान हैं।

आँवला सर्वदोष नाशक माना जाता है। खट्टा होने के कारण वातनाशक, कसैला होने के कारण कफनाशक, मधुर रस के कारण पित्तनाशक होता है। च्यवनप्राश को प्राचीन काल से श्रेष्ठ माना जाता है। च्यवनप्राश का आधार आँवला ही होता है। आँवला विटामिन सी का सबसे बड़ा स्रोत है। इसके बराबर विटामिन सी किसी भी फल में नहीं होता। विटामिन सी शरीर में रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाता है, खून की शुद्धता, दाँत और मसूड़ों में मजबूती और लिवर के सुचारु रूप से कार्य करने में मददगार होता है।

आँवला एकमात्र ऐसा फल है जिसे सुखाने, उबालने तथा पकाने पर विटामिन सी समाप्त नहीं होता बल्कि अच्छी मात्रा में सुरक्षित भी रहता है। कच्चा आँवला तो साल में २-३ माह तक उपलब्ध होता है। बाकी समय सूखे आँवले का प्रयोग कर लाभ उठाया जा सकता है।

आइये जानें आँवले को प्रयोग कर हम क्या लाभ उठा सकते हैं।

नेत्र रोग – त्रिफला चूर्ण को पानी में भिगोकर रात्रि में रख दें। प्रातः छान कर उसी पानी से आँखें धोएँ। आँखों की चमक बनी रहती है और आँखें साफ हो जाती है। रात्रि में आँवले के चूर्ण को शहद के साथ सेवन करने से आँखों की ज्योति ठीक रहती है।

पेट रोग – नियमित आँवले के सेवन से कब्ज दूर होती है। रात्रि में सोने से पहले त्रिफला या आँवले चूर्ण को दूध के साथ या पानी के साथ नियमित लें। पुराने से पुराना कब्ज दूर हो जाता है।

त्वचा रोग – आँवले के चूर्ण को चमेली के तेल में मिलाकर खुजली वाले स्थान पर लगाने से खुजली दूर होती है।

नाक के रोग – सूखे आँवले को आठ गुणा पानी में भिगो कर रखें। प्रातः आँवले को छान कर उसमें शहद मिलाकर लें। इससे नकसीर आना ठीक हो जाता है। सूखे आँवलों को घी में तलकर पीसकर माथे पर लेप करने से भी नकसीर में लाभ मिलता है। ताजे आँवलों का रस लगभग एक आउंस लें। नाक से खून निकलना बंद हो जाएगा।

पेशाब संबंधी रोग – जब मूत्र कम मात्रा में आता है या मूत्र मार्ग में जलन होती हो तो आँवले का रस पीने से लाभ मिलता है। आँवले के चूर्ण को शहद में मिलाकर प्रतिदिन प्रातः लेने से लाभ मिलता है। मूत्रवरोध होने पर पिसे आँवले का लेप पेडू पर लगाने से पेशाब आता है।

इसके अतिरिक्त ताजे आँवले का रस दिन में तीन बार पीने से या आँवले के चूर्ण को दूध के साथ लेने से हृदय रोग में अत्यधिक लाभ पहुँचता है।

मेंहदी को भिगोते समय आँवले का चूर्ण १ चम्मच उसमें मिलाएँ। बाल काले और चमकदार होते हैं। शुद्ध आँवले के तेल को बालों पर लगाया जाए तो बालों से संबंधित कई रोग दूर होते हैं।

समाचार सार

सम्मेलन के स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में आताबिरा शाखा, उत्कल द्वारा गत २६ दिसम्बर २०२० को जरूरतमंद लोगों के बीच कम्बल वितरण।

देव-स्तुति

[गतांक से आगे]

– डॉ. जुगल किशोर सर्राफ

सर्गादि योऽस्यानुरूणद्धि शक्तिभि–
र्द्रव्यक्रियाकारकचेतनात्मभिः।
तस्मै समुन्नद्धनिरूद्धशक्तये
नमः परस्मै पुरुषाय वेधसे।।

हे भगवान्, आप अपनी शक्तियों द्वारा भौतिक तत्त्वों, इन्द्रियों, इनके नियामक देवों, बुद्धि, अहंकार तथा प्रत्येक वस्तु की उत्पत्ति की है। अपनी शक्ति से इस सम्पूर्ण दृश्य जगत की सृष्टि, पालन, और संहार करते हैं। आपकी ही शक्ति के द्वारा प्रत्येक वस्तु कभी प्रकट होती है और कभी प्रकट नहीं होती है। इसलिए आप समस्त कारणों के कारण पुरुषोत्तम भगवान् हैं। मैं आपको सादर नमस्कार करती हूँ।

स वै भवानात्मविनिर्मितं जगद्
भूतेन्द्रियान्तः करणात्मकं विभो।
संस्थापयिष्यन्नज मां रसातला–
दभ्युज्जहाराम्भस आदिसूकरः।।

हे भगवान्, आप अजन्मा हैं। एक बार आपने आदि सूकर अवतार के रूप में मुझे जल के भीतर से ऊपर उठा लिया था। आपने इस संसार के पालन हेतु अपनी शक्तियों द्वारा समस्त भौतिक तत्त्वों, इन्द्रियों, तथा मन की उत्पत्ति की है।

नूनं जनैरीहितमीश्वराणा–
अस्मद्विधैस्तद्गुणसर्गमायया।
न ज्ञायते मोहितचित्तवर्त्मभि–
स्तेभ्यो नमो वीरयशस्करेभ्यः।।

हे भगवान्, मैं भी आपकी भौतिक प्रकृति के गुणों से सृष्टि हुआ हूँ, परिणाम स्वरूप मैं आपकी गतिविधियों से भ्रमित हूँ। जब आपके भक्तों की गतिविधियाँ समझ से परे हैं, तो फिर आपकी लीलाओं के सम्बन्ध में क्या कहा जाये? इस प्रकार प्रत्येक वस्तु हमें विरोधाभासी और आश्चर्यजनक लगती है।

राजोवाच

तेषामहं पादसरोजरेणु–
मार्या वहेयाधिकिरीटमायुः।
यं नित्यदा बिभ्रत आशु पापं
नश्यत्यमुं सर्वगुणा भजन्ति।।

यहाँ पर उपस्थित हे आर्यगण, मैं आपका आशीर्वाद चाहता हूँ कि मैं आजीवन अपने मुकुट में ऐसे ब्राह्मणों तथा वैष्णवों के चरणकमलों की धूलि धारण करता रहूँ। जो ऐसी चरण की धूलि धारण करता है, वह शीघ्र ही पापकर्म की फलों से मुक्त हो जाता है और अंततः समस्त उत्तम तथा वांछित गुणों से परिपूर्ण हो जाता है।

मैत्रेय उवाच

नमो विवृद्धसत्त्वाय पुरुषाय महीयसे।
यो ब्रह्म क्षत्रमाविश्य बिभर्तिदं स्वतेजसा।।

हे प्रभु, आप विशुद्ध सत्त्व-स्थिति को प्राप्त हैं, इसलिए आप परमेश्वर के सक्षम प्रतिनिधि हैं। आप अपने तेज से ही महिमावान हैं और इस तरह ब्राह्मण-संस्कृति को पुनर्स्थापित करते हुए सारे संसार का पालन करते हैं तथा अपने क्षत्रीय धर्म का निर्वाह करते हुए प्रत्येक व्यक्ति की रक्षा करते हैं। हे भगवान्, आपको मैं नमस्कार करता हूँ।

रूद्र उवाच

यः परं रंहसः साक्षात्त्रिगुणाज्जीवसंज्ञितात्।
भगवन्तं वासुदेवं प्रपन्नः स प्रियो हि मे।।

जो मनुष्य प्रकृति तथा जीवात्माओं में से प्रत्येक के अधिष्ठाता भगवान् कृष्ण के शरणागत है, वह वास्तव में मुझे अत्यंत ही प्रिय है।

अथ भागवता यूयं प्रियाः स्थ भगवान्यथा।
न मद्भागवतानां च प्रेयानन्योऽस्ति कर्हिचित्।।

तुम सभी भगवान् के भक्त हो, इसलिए तुम सभी भक्त मेरे लिए भगवान् के समान पूज्य हो। इस तरह से मैं यह जानता हूँ कि भक्त भी मेरा आदर करते हैं और मैं उन्हें अत्यन्त प्रिय हूँ। इस तरह भक्तों को मेरे समान अन्य कोई प्रिय नहीं हो सकता है।

जितं त आत्मविद्वर्यस्वस्तये स्वस्तिरस्तु मे।
भवताराधसा राद्धं सर्वस्मा आत्मने नमः।।

शिवजी ने पूर्ण पुरुषोत्तम भगवान् की इस प्रकार स्तुति की – हे भगवान्, आप धन्य हैं। आप समस्त स्वरूपसिद्धों में महान् हैं चूँकि आप उनका सर्वदा कल्याण करने वाले हैं, इसलिए आप मेरा भी कल्याण करें। आप अपने सर्वात्मक उपदेशों के कारण पूज्य हैं। आप परमात्मा हैं, इसलिए हे पुरुषोत्तम स्वरूप, आपको मैं नमस्कार करता हूँ।

नमः पङ्कजनाभाय भूतसूक्ष्मेन्द्रियात्मने।
वासुदेवाय शान्ताय कूटस्थाय स्वरोचिषे।।

हे भगवान्, आपकी नाभी से कमल पुष्प प्रकट होता है, इस प्रकार आप सृष्टि के उद्गम हैं। आप इन्द्रियों तथा तन्मात्राओं के नियामक हैं। आप सर्वव्यापी वासुदेव भी हैं। आप परम शान्त हैं और स्वयंप्रकाशित होने के कारण आप छह प्रकार के विकारों से विचलित नहीं होते। हे भगवान्, आपको मैं नमस्कार करता हूँ।

MARWARI SAMMELAN FOUNDATION

(A Trust of All India Marwari Federation)

उच्च शिक्षा कोष

समाज के बच्चों को शिक्षित कर परिवार को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में पहल

देश के विभिन्न भागों के सैकड़ों छात्र-छात्राओं को दो करोड़ छियासठ लाख रुपयों का दिया जा चुका है अनुदान

वित्तीय वर्ष (२०१९-२०) में ७१ लाख रुपयों से अधिक का आवंटन

"Education is a fundamental human right and essential for excercise of all other human rights."

उदारहृदय समाजबंधुओं का मिल रहा है तहेदिल से साथ

आप भी बढ़ाएँ सहयोग का हाथ समाज के सर्वांगीण विकास में बनें भागीदार !

छात्र/छात्राएँ नि:शुल्क छात्रवृत्ति के लिये सम्पर्क करें

इंजीनियरिंग, टेक्निकल, चिकित्सा, मैनेजमेंट आदि क्षेत्रों में स्नातकोत्तर/उच्च शिक्षा के लिए छात्रवृत्ति हेतु समाज के मेधावी एवं जरूरतमंद छात्र-छात्राओं से आवेदन आमंत्रित हैं।

पात्रता : (क) १७ और २५ वर्षों के बीच के उम्र के मेधावी छात्र-छात्राएँ जिनका शैक्षिक परीक्षाओं में प्रदर्शन उत्कृष्ट रहा हो और जिन्हें केवल अपनी योग्यता के बल पर किसी मान्यताप्राप्त शैक्षणिक संस्थान में प्रवेश मिल रहा हो।

(ख) जिन आवेदकों के माता-पिता की वार्षिक आय तीन लाख रुपयों से कम होगी, उन्हें प्राथमिकता दी जाएगी।

प्रक्रिया : (क) पूर्व शैक्षिक प्रमाणपत्रों, प्रवेश के प्रमाण, माता-पिता के आय प्रमाणपत्र एवं पासपोर्ट साइज चित्रों के साथ, मारवाड़ी सम्मेलन की किसी शाखा/सम्बद्ध संस्था से अनुमोदित आवेदन प्रस्तुत करने हैं।

(ख) एक छात्र-छात्रा को वर्ष में अधिकतम दो लाख रुपयों की राशि अनुदानस्वरूप दी जा सकती है।

(ग) प्रतिवर्ष कुछ छात्रवृत्तियाँ छात्राओं के लिए सुरक्षित हैं।

आवेदन करें : *चेयरमैन, उच्च शिक्षा उपसमिति, अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन*

४बी, डकबैक हाउस, ४१, शेक्सपियर सरणी, कोलकाता-१७, फोन : (०३३) ४००४४०८९, ईमेल : aimf1935@gmail.com

COMPLETE ELECTRICAL SOLUTION
ELECTRICAL WIRES
FANS AND LIGHTS
LT PANEL, CABLE TRAY AND TRANSFORMER
WE MANUFACTURE
POWER TRANSFORMER
DISTRIBUTION TRANSFORMER
LT ELECTRICAL PANEL
PERFORATED CABLE TRAY
LADDER-TYPE CABLE TRAY
GARODIA ENTERPRISES
AARNAV POWERTECH
MARKET ROAD EAST, UPPER BAZAR
RANCHI - 834 001, JHARKHAND
www.aarnavpowertech.com
garodia@garodiagroup.com
0651-2205996

Big-B Premium Range · ZiX PREMIUM GYM VEST · Dolby Rib Vest · PiZa Gym Vest · DIKØ Needle Drop Int. Vest · Frenchcut Premium Brief · RIDCO Rib Vest · PARKA Premium Needle Drop Fine White Vest · Fun2 Vest & Drawer · JOXER Mini Trunk & ICD

Lado Panties & Bloomer · Nano Gym Vest · FLIPPER Bermuda & Trouser · Vnzo Briefs · ONION MINI TRUNK · UNO MINITRUNK · MANTO MINI TRUNK, gym vest · Wintercott WINTER WEAR · Fiero PREMIUM THERMALS

KOX HOSIERY PVT. LTD.

Registered Office: 1/4D, Khagendra Chatterjee Road, Kolkata - 700 002
Corporate Office: 1202B, PS Srijan Corporate Park, GP Block, Sector V, Saltlake City, Kolkata - 700 091
Visit us : www.koxgroup.com, E-mail : info@koxgroup.com, Customer Care No.: 033-4006 4747

हार्दिक अभिनंदन के साथ

अशोक जालान फाउंडेशन

(एजेएफ)

सम्बलपुर

ओडैसी कम्प्लेक्स, ऐंठापाली

सम्बलपुर - 768004, ओडिशा

मो. **9437579833**

email : ajaocodc@gmail.com

निस्वार्थ लोक सेवा की ओर कुछ कदम

एम्बुलेंसेज, डस्टविन्स, मोबाइल रक्त संग्रह वैन, रोगी वाहन, शौचालय, यात्री विश्राम स्थल, आर.ओ. ठंडे पानी की इकाइयां, वृक्षारोपण, आंख ओर दांत हास्पिटल के उपकरण, स्टेनलेस स्टील बेंचेंस, व्हील चेयर्स, बच्चों के खेलने के उपकरण, कचरा टिपर वैन, वाटर टेंकर, नेपाल ओर केरल आपदा के लिए रिलीफ, जरूरतमंदो के लिए हजारों कम्बल प्रदान, शव वाहिनी एवं फ्रीजर और सम्बलपुर में छात्रावास के लिए जमीन दान आदि

चेयरमैन

ई. अशोक कुमार जालान

पूर्व लायंस गवर्नर

पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष

उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन

राष्ट्रीय उपाध्यक्ष

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन

Deals In:

- **Mercerized Denims** – Stretch & Rigid
- **Coated Denims** – Stretch & Rigid
- **Normal Finish** – Stretch & Rigid
- **Cotton / Polyester** – Stretch & Rigid
- **Colour Denims** – Yarn Dyed / Over Dyed Stretch & Rigid
- **Mill Washed Denim** – Stretch & Rigid

Get the RAW materials right

Weight Range:
From 5 Oz to 15 Oz / Sq. Yard

Suryalakshmi Cotton Mills Ltd. | Sudarshan Jeans Pvt. Ltd. | Partap Industries Ltd.

S R TEXTILE & YARN SALES PVT. LTD.

Diamond Heritage (9th Floor, Room No. 911) 16 Strand Road, Kolkata-700001, West Bengal, India
Mobile: 9830013702, 9831121155 *Phone:* (033) 66451238, 66451240
E-mail: info-denim@srtexyarn.com srtextile10@gmail.com

Mills Representative • Merchant & Exporter of Yarn & Fabrics

Ramesh Kumar Sonthalia, *Managing Director* | *+91 98300 13702*

Best wishes from

MERIDIAN®
GROUP

FOUNDATIONS FOR LIFE

Meridian Plaza, 209 C.R.Avenue,
4th Floor, kolkata- 700006
Ph: 033-40083125
Website: www.meridiangrouprealty.in

SERVICES AT A GLANCE

- **Laboratory Services - Advanced Automatic Equipments**

- **Radiology**

- MRI / CT / Scan | - Digital X-Ray
- Ultrasonography | - Colour Doppler Study

- **Cardiology**

- ECG | - Echo-Cardiography
- Echo-Colour Doppler | - Holter Monitoring
- Treadmill Test (TMT)

- **Wide Range of Pathology**
- **Pulmonary Function Test**
- **UGI Endoscopy / Colonoscopy**
- **Physiotherapy**
- **EEC / EMG / NCV**
- **General & Cosmetic Dentistry**
- **Elder Care Service**
- **Sleep Study (PSG)**
- **EYE / ENT Care Clinic**
- **Gynae and Obstetric Care Clinic**
- **Haematolgy Clinic**
- **Personalised Care (Injection, Dressing, ECG etc.) at your doorstep**
- **Health Check-up Packages**
- **Online Reporting**
- **Report Delivery**

Home Blood Collection

(033) 4021-2525, 97481-22475

98301 96659

Consultation I Diagnostics I Dentistry I Health Checks

HAPPINESS COMES IN MANY COLOURS. FIND YOURS IN THE Happy Rainbow Box.

Kanoria Foundation
WORK WITH DEVOTION

Together We Make Tomorrow Happen

Srei, since three decades, has been in the business of financing infrastructure, developing projects and empowering entrepreneurs. Our Happy Rainbow Box is a collection of such happy and optimistic thoughts that have the potential to change the world for the better.

Infrastructure Project & Equipment Finance | Medical, IT, Agriculture & Mining Equipment Finance | Infrastructure Project Advisory, Development & Investments | Investment Banking | Insurance Broking

Log on to www.happyrainbowbox.com and #SpreadTheHappy

L&K | SAATCHI & SAATCHI

सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत!

आजीवन सदस्य

श्री संजय प्रसाद अग्रवाल मे. कशिश मोबाईल रश्मि सुपर मार्केट, थाना रोड, सुपौल, बिहार	**श्री बजरंग जैन** मे. श्री बजरंग वस्त्र भंडार वॉर्ड नं.-१२, थाना रोड, सुपौल, बिहार	**श्री ममता जैन** मे. सजन सजनी, वॉर्ड नं.-१२, थाना रोड, सुपौल, बिहार	**श्री जयंत कुमार जैन** वॉर्ड नं.-१२, थाना रोड, नगर परिषद, सुपौल, बिहार	**श्री सारिका जैन** मे. वाटिका, वॉर्ड नं.-१२, नगर परिषद, सुपौल, बिहार
श्री संदीप कुमार अग्रवाल वॉर्ड नं.-२५, नगर परिषद, सुपौल, बिहार	**श्री पीयूष कुमार अग्रवाल** वॉर्ड नं.-२५, नगर परिषद, सुपौल, बिहार	**श्रीमती रश्मि अग्रवाल** वॉर्ड नं.-२५, नगर परिषद, सुपौल, बिहार	**श्रीमती रितिका अग्रवाल** वॉर्ड नं.-२५, नगर परिषद, सुपौल, बिहार	**श्रीमती पुष्पा देवी** वॉर्ड नं.-२५, नगर परिषद, सुपौल, बिहार
श्री राजेश कुमार मे. बालाजी स्टोर, महावीर चौक, सुपौल, बिहार	**श्रीमती सविता जैन** मे. श्री महावीर वस्त्र भंडार, चौक, सुपौल, बिहार	**श्री बद्री प्रसाद मिश्रा** उत्तर हाटखोला रोड, वार्ड नं.-०८, सुपौल, बिहार	**श्री बद्री प्रसाद मोहनका** अम्बे मेडिकल चौक, स्टेशन रोड, सुपौल, बिहार	**श्री चंदन कुमार गाड़ोदिया** ठाकुरबाड़ी रोड, वॉर्ड नं.-१०, सुपौल, बिहार
श्री दीपक कुमार अग्रवाल आशीर्वाद, थाना रोड, वॉर्ड नं.-२५, सुपौल, बिहार	**श्री सुमित सेहगल मिश्रा** नौ आना कचहरी रोड, वॉर्ड नं.-१०, सुपौल, बिहार	**श्रीमती संगीता जैन** थाना रोड, गुदरी बाजार, सुपौल, बिहार	**श्री विनीत कुमार जैन** मे. श्री महावीर खाद भंडार थाना रोड, सुपौल, बिहार	**श्री राजेश कुमार मोहनका** स्टेशन रोड, सुपौल, बिहार
श्रीमती पूनम मोहनका स्टेशन चौक, सुपौल, बिहार	**श्री जयप्रकाश अग्रवाल** मे. लवली वंदता, स्टेशन रोड, वॉर्ड नं.-१०, सुपौल, बिहार	**श्री विजय कुमार अग्रवाल** स्टेशन रोड, सुपौल, बिहार	**श्रीमती रेखा अग्रवाल** स्टेशन रोड, सुपौल, बिहार	**श्री केदारनाथ मिश्रा** उत्तर हाटखोला रोड, वॉर्ड नं.-०८, सुपौल, बिहार
श्री अंतस अग्रवाल वॉर्ड नं.-१२, थाना रोड, सुपौल, बिहार	**श्री रवि कुमार जैन** मे. अर्नम मेडिकल स्टोर वॉर्ड नं.-१२, सुपौल, बिहार	**श्री ऋतु जैन** वॉर्ड नं.-१२, सुपौल, बिहार	**श्री रेनू जैन** वॉर्ड नं.-१२, सुपौल, बिहार	**श्री मिलाप चन्द बोथरा** महावीर चौक, थाना सुपौल, बिहार
श्री प्रकाश चन्द पुगालिया नजदीक लोहिया धर्मशाला गुदरी बाजार, लहेरियासराय, दरभंगा, बिहार	**श्रीमती रानू सुल्तानिया** नजदीक लोहिया धर्मशाला गुदरी बाजार, लहेरियासराय, दरभंगा, बिहार	**श्री अविनाश कुमार सरावगी** श्रवण निवास, पंचनिवास, राम मंदिर, दरभंगा, बिहार	**श्री नवल किशोर चौधरी** मे. चौधरी बर्तन भंडार, कटकी बाजार, दरभंगा, बिहार	**श्री संजय बेरालिया** नजदीक महारानी गोदाम बड़ा बाजार, दरभंगा, बिहार
श्री अनिल कुमार चौधरी मे. चौधरी टेक्सटाइल्स, बड़ा बाजार, दरभंगा, बिहार	**श्रीमती बिमला देवी** राज कुमार गंज, ब्रह्मबाबा मंदिर, गली नं.-०१, दरभंगा, बिहार	**श्री राजीव कुमार** राज कुमार गंज, ब्रह्मबाबा मंदिर, गली नं.-०१, दरभंगा, बिहार	**श्रीमती सुशीला देवी पंसारी** मारवाड़ी स्कूल रोड, लालबाग, दरभंगा, बिहार	**श्री पंकज कुमार कण्डोई** गंगलागढ़, नीम चौक, दरभंगा, बिहार
श्री पवन कुमार लोहारिका मे. गोकुल आइसक्रीम पार्लर, एस.बी.आई, सिटी ब्रांच, सुभाष चौक, भागलपुर, बिहार	**श्री मनीष कुमार बगडिया** दीपनारायण कटरा, कलाली गली, सुजागंज, भागलपुर, बिहार	**श्री रंजीत कुमार शिवानीवाल** अलबेली मारवाड़ी टोला लेन, वैराइटी चौक, भागलपुर, बिहार	**श्री नवल किशोर डालुका** मे. आलोक मेडिकल, पटेल बाबु रोड, भागलपुर, बिहार	**श्री सुमीत कुमार जैन** नजदीक गौशाला, एम.पी. द्विवेदी रोड, भागलपुर, बिहार
श्री अश्विनी जोशी जीवनी निकेतन, चूनीहारी टोला, भागलपुर, बिहार	**श्री अतुल कुमार भिवानीवाला** नजदीक गुरुद्वारा, सखी शाह लेन, भागलपुर, बिहार	**श्री अरुण कुमार किशोरपुरिया** डी.एन.सिंह रोड, भागलपुर, बिहार	**श्री सौरभ कुमार अग्रवाल** स्टेशन रोड, भागलपुर, बिहार	**श्री आशीष कुमार नवलगड़िया** मुनिचक, भागलपुर, बिहार
श्री मुकेश कवाड़िया मे. खेमी सती ट्रेडर्स कलकाराम लेन, हाडिया पट्टी, बेगूसराय, बिहार	**श्री राजेश मसकरा** करपुरी स्थान चौक, मस्जिद चौक, बेगूसराय, बिहार	**श्री सुमन कुमार शर्मा** मे. बाम्बे ड्रेसर्स, माँ मारवाड़ी बाबा, मेन रोड, बेगूसराय, बिहार	**श्री संदीप कुमार कौशिक** गोपाल हार्डवेअर वाली गली, जी.डी. कॉलेज रोड, बेगूसराय, बिहार	**श्री पूजा कुमारी** कृष्णा कॉलनि, पटेल चौक, बेगूसराय, बिहार
श्री रवि कुमार शर्मा कृष्णा कॉलनि, पटेल चौक, बेगूसराय, बिहार	**श्री सौम्या शर्मा** चित्रावाणी सिनेमा, मेन रोड, बेगूसराय, बिहार	**श्री नितेश कुमार सराफ** वॉर्ड नं.-१२, रोसड़ा, बिहार	**श्री रमन कुमार बजाज** वार्ड नं.-१४, महावीर स्थान, रोसड़ा, बिहार	**श्री विकास कुमार** वॉर्ड नं.-१४, रोसड़ा, बिहार
श्री सुनील कुमार शर्मा मे. कान्हा हैंडलूम्स, रोसड़ा, बिहार	**श्री कैलाश खेमका** पटना, बिहार	**श्री राकेश कुमार लाखोटिया** मे. आशीर्वाद एजेंसी, स्टेशन रोड, महावीर चौक, रोसड़ा, बिहार	**श्री संतोष कुमार केडिया** मे. डिजाईन हाउस, मसजफ बाजार, दरभंगा, बिहार	**श्री अनिल कुमार** पक्की हवेली, शिवाजी नगर, दरभंगा, बिहार

सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत!

आजीवन सदस्य

श्री बाल मुकुन्द अग्रवाल मे. दादाजी हार्डवेअर स्टोर, शाउगंज, पटना सिटी, बिहार	**श्री प्रकाश सुल्तानिया** घाघा गली, चौक, पटना सिटी, बिहार	**श्री राकेश साह** शाह सदन, सिंघी दलान, खाजिकला, पटना सिटी, बिहार	**श्री संजय कुमार बूबना** मारवाड़ी कालनि, लोदी कटरा, आर्यनगर, पटना सिटी, बिहार	**श्री जगदीशमल लोढ़ा** विमला अपार्टमेंट, लंगूर टोली, शाउगंज, पटना सिटी, बिहार
श्री रवि कुमार खण्डेलवाल फ्लैट नं.-४०५, पारथा आस्था अपार्टमेंट, जगदेवपथ, पटना, बिहार	**श्री सुमित कुमार** मे. पी. अग्रवाल एण्ड कं. रोड नं.-२६ए एस. के. नगर, पटना, बिहार	**श्री विशम्भर अग्रवाल** मे. आरोही रेडीमेड गारमेंट, राजा बाजार, पटना, बिहार	**श्री संजय अग्रवाल** ३ ग्राउंड स्क्वायर, दानापुर कैंट, पटना, बिहार	**श्री मोहन लाल केजरीवाल** मे. केजरीवाल टी स्टोर सिकंदरपुर, मुजफ्फरपुर, बिहार
श्री कृष्णा कुमार अग्रवाल मे. फैमिली किराना, सरैयागंज, मुजफ्फरपुर, बिहार	**श्री अनिल अग्रवाल** मे. अग्रवाल डिस्ट्रीब्यूटर्स जवाहर लाल रोड, मुजफ्फरपुर, बिहार	**श्री संजय भरतिया** मे. न्यु हनुमान हेल्थ एंटरप्राईजेज, हरिसभा चौक, दुर्गा मण्डी, मुजफ्फरपुर, बिहार	**श्री शम्भु कुमार अग्रवाल** मीरा सिनेमा रोड, सहरसा, बिहार	**श्री ओम प्रकाश अग्रवाल** अग्रवाल हाउस, चाणक्यपुरी, सहरसा, बिहार
श्री गौतम मित्तल मे. मित्तल जेनरल स्टोर गंगजाल, सहरसा, बिहार	**श्री महेश कुमार चिरानीवाल** प्रशांत सिनेमा के पास जगदम्बा हाउस, मीरा सिनेमा रोड, सहरसा, बिहार	**श्री अशोक कुमार केडिया** डी.वी. रोड, सहरसा, बिहार	**श्री मुरारी कुमार दहलान** मे. बालाजी ट्रेडर्स, दहलान रोड, सहरसा, बिहार	**श्री गिरधारी कुमार दहलन** मे. दहलन फैशन, कपड़ा पट्टी, सहरसा, बिहार
श्री वैभव भीमसरिया मे. श्री गोपाल ट्रेडर्स, धर्मशाला रोड, सहरसा, बिहार	**श्री अभिषेक मित्तल** मे. मित्तल ब्रदर्स, नजदीक साहू पोखर, केदारनाथ रोड, मुजफ्फरपुर, बिहार	**श्री राजेश कुमार पचेरिया** मे. कैलाश मेडिकल एजेंसी धर्मशाला रोड, सहरसा, बिहार	**श्री संजीव अग्रवाल** मे. एम. अमरदीप, अनूप भवन, डी.वी. रोड, सहरसा, बिहार	**श्री सुमित नेवटिया** वॉर्ड नं.-२०, सहेली, मेन रोड, मधेपुरा, बिहार
श्री अनिल कुमार अग्रवाल मेन रोड, चउसा, मधेपुरा, बिहार	**श्री सुनीत अग्रवाल** मेन रोड, चउसा, मधेपुरा, बिहार	**श्री अनिल कुमार मुनका** मेन रोड, चउसा, मधेपुरा, बिहार	**श्री मोहन कुमार मुनका** मेन रोड, चउसा, मधेपुरा, बिहार	**श्री नित्तम कुमार अग्रवाल** मेन रोड, चउसा, मधेपुरा, बिहार
श्री चितरंजन कुमार अग्रवाल मेन रोड, चउसा, मधेपुरा, बिहार	**श्री नवल किशोर मुनका** मेन रोड, चउसा, मधेपुरा बिहार	**श्री महेश कुमार अग्रवाल** आलमनगर, मधेपुरा, बिहार	**श्री श्रवण कुमार अग्रवाल** आलमनगर, वॉर्ड नं.-९, उत्तरी, मधेपुरा, बिहार	**श्री अरविंद कुमार** आलमनगर, मधेपुरा, बिहार
श्री सज्जन अग्रवाल आलमनगर, मधेपुरा, बिहार	**श्री राम गोपाल पंसारी** आलमनगर, थाना पी.ओ. आलमनगर, मधेपुरा, बिहार	**श्री अरविंद कुमार हरलालका** मेन रोड, आलमनगर, मधेपुरा, बिहार	**श्री विजय कुमार सुरेका** मेन रोड, आलमनगर, मधेपुरा, बिहार	**श्री अरुण कुमार सुरेका** मेन रोड, आलमनगर, मधेपुरा, बिहार
श्री सुशील कुमार हरलालका आलमनगर, मधेपुरा, बिहार	**श्री सज्जन कुमार अग्रवाल** मेन रोड, आलमनगर, मधेपुरा, बिहार	**श्री मुकेश कुमार सुरेका** मेन रोड, आलमनगर, मधेपुरा, बिहार	**श्री उमेश कुमार सुरेका** मेन रोड, आलमनगर, मधेपुरा, बिहार	**श्री दीपक कुमार अग्रवाल** मेन रोड, आलमनगर, मधेपुरा, बिहार
श्री शंकर कुमार सुरेका मेन रोड, आलमनगर, मधेपुरा, बिहार	**श्री अनुप कुमार सुरेका** मेन रोड, आलमनगर, मधेपुरा, बिहार	**श्री राजेश कुमार खेतान** पी.ओ. - जमालपुर गोगरी, जी खगड़िया, बिहार	**श्री राधा केजरीवाल** मे. संजय हाजियरी शीतलागली, सूतापट्टी, मुजफ्फरपुर, बिहार	**श्री राम गोपाल जालान** नजदीक द्वारका दास बंका सिकंदरपुर, मुजफ्फरपुर, बिहार
श्री कृष्णा मुरारी भरतिया महेन्द्रा रेसीडेंसी, फ्लैट नं.-३०३, फेज-२, सिकंदरपुर, मुजफ्फरपुर, बिहार	**श्री सुनन्दा लाखोटिया** रोसड़ा, समस्तीपुर, बिहार	**श्री यसस जैन** वॉर्ड नं.-१८, रोसड़ा, समस्तीपुर, बिहार	**श्री नीलम देवी मालो** वॉर्ड नं.-१८, रोसड़ा, समस्तीपुर, बिहार	**श्री ब्रज किशोर पचेरीवाल** ३०३, रामेश्वर अपार्टमेंट, मडोल कम्पाउंड, बोरिंग रोड, पटना, बिहार
श्री मयंक कुमार मे. दीपक एंटरप्राईज, शाह मार्केट, भागलपुर, बिहार	**श्रीमती नीतू केजरीवाल** शीतलागली, सूतापट्टी, मुजफ्फरपुर, बिहार	**श्री विनीत गुप्ता** मे. आर.पी.जी. एंटरप्राईजेज शॉप नं.-१०३, पहली मंजिल, पटना, बिहार	**श्री मुकेश कुमार गुप्ता** मे. आर.पी.जी. एंटरप्राईजेज शॉप नं.-१०३, पहली मंजिल, पटना, बिहार	**श्री सुरेश प्रसाद अग्रवाल** मे. राधिका स्टोर, दुकान नं.-०८, रामायण मार्केट, दलदली गली, पटना, बिहार
श्रीमती पुष्पा देवी मे. राधिका स्टोर, दुकान नं.-०८, रामायण मार्केट, दलदली गली, पटना, बिहार	**श्री विकी अग्रवाल** फ्लैट नं.-३०४, बी ब्लॉक, बंसल टॉवर, भट्टाचार्य रोड, पटना, बिहार	**श्री विकास कुमार** द्वारा सुदामा सिंह देवी स्थान भवर पोखर, सब्जीभाग, भागलपुर, बिहार	**श्री सौरभ रुँगटा** थाना रोड, कहलगाँव, मुजफ्फरपुर, बिहार	**श्री विनोद कुमार अग्रवाल** मे. श्री विनोद किराना न्यू मार्केट, सरैयागंज, मुजफ्फरपुर, बिहार

सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत!

आजीवन सदस्य

श्री भरत कुमार झुनझुनवाला रानी सती, पंकज मार्केट, सरैयागंज, प. चम्पारण, बिहार	**श्री राकेश कुमार गोयल** भवन अलंकार, जनता सिनेमा चौक, बेतिया, प. चम्पारण, बिहार	**श्री देवकीनंदन क्याल** मे. मदन लाल जगदीश प्रसाद लाल बाजार, बेतिया, बिहार	**श्री गौरव कुमार पोद्दार** मे. श्याम स्टील, नजदीक एस.बी.आई मेन ब्राँच, मेन रोड, प. चम्पारण, बिहार	**श्री मनीष कुमार केशव** मे. किसान फर्मा, लाल बाजार, बेतिया, प. चम्पारण, बिहार
श्री गौतम कुमार पोद्दार पुरानी धर्मशाला रोड, वॉर्ड नं.-२४, लाल बाजार, बेतिया, प. चम्पारण, बिहार	**श्री मनोज कुमार खेतान** मे. हरिओम ग्लास हाउस लाल बाजार, बेतिया, प. चम्पारण, बिहार	**श्री राजेश कुमार गोयनका** मे. श्री गोयनका शॉप, लाल बाजार, बेतिया, प. चम्पारण, बिहार	**श्री रेवती रमन लुडिंया** होटल भरत जलपान के पास, लाल बाजार, बेतिया, सीतामढ़ी, बिहार	**श्री मिथिलेश कुमार धनधानिया** बाटा गली, वॉर्ड नं.-०६, जनकपुर रोड, सीतामढ़ी, बिहार
श्री राजा धनधानिया बाटा गली, वॉर्ड नं.-०६, पूपरी बाजार, जनकपुर रोड, सारन, बिहार	**श्री अमित कुमार बजाज** मे. बजाज ड्रेसेज, साहेबगंज, छपरा, सारन, बिहार	**श्री राम बाबू केजरीवाल** मे. लिली होजरी, पुरानी गुडाहाट्टी, छपरा, सारन, बिहार	**श्री राम गोविंद बजाज** मे. गोविंद ट्रेडर्स, भवानी मार्केट, पुरानी गुडाहाट्टी, छपरा, सारन, बिहार	**श्री राज कुमार मिश्रा** अग्रातनी कृष्णा बिहार, खतरीबाध, छपरा, सारन, बिहार
श्री विजय कुमार चौधरी सिविल कोर्ट के सामने, आनंद मार्केट, छपरा, सारन, बिहार	**श्री सुशील पोद्दार** मे. श्री बालाजी ट्रेडर्स पुरानी गुडाहाट्टी, छपरा, सारन, बिहार	**श्री कौशल किशोर** सोनरापट्टी, साहेबगंज, छपरा, सारन, बिहार	**श्री अनिल कुमार भरतिया** मे. शालिनी क्लॉथ इम्पोरियम, पुरानी गुडाहाट्टी, सारन, बिहार	**श्री प्रत्युष कुमार** मे. राधा मैचिंग, साहेबगंज, छपरा, सारन, बिहार
श्री गोविंद लाठ विक्रमार्दित्य साहित्य पथ, सलिमपुर, छपरा, सारन, बिहार	**श्री प्रह्लाद कुमार सोनी** मे. श्री श्याम ज्वेलर्स एण्ड कम्पनी, साहेबगंज, छपरा, सारन, बिहार	**श्री दिलीप कुमार रुँगटा** ३०८, वसुंधरा १ए, ग्रीनो, अशोकनगर, न्यु बाईपास, पटना, बिहार	**श्री सोना जाजोदिया** मे. ओम् वस्त्रालय, स्टेशन रोड, रोसड़ा, समस्तीपुर, बिहार	**श्री राहुल कुमार अग्रवाल** वॉर्ड नं.-१६, लक्ष्मीपुर, रोसड़ा, समस्तीपुर, बिहार
श्री श्याम कुमार सराफ मे. श्री आनन्दी साड़ी केन्द्र, बैंक रोड, सूतापत्ती, समस्तीपुर, बिहार	**श्री संजय कुमार मोदी** मारवाड़ी कॉलनि, लोदी कटरा, आर्या नगर कॉलनि, पटनासिटी, बिहार	**श्री चांद शेखर प्रसाद** सातवीं मंजिल, बद्री विहार अपार्टमेंट, नयी सड़क चौक, पटनासिटी, बिहार	**श्री मीनू अग्रवाल** हरि मंदिर गली, पटनासिटी, बिहार	**श्री रवि अग्रवाल** प्रकाश मार्केट, दूसरी मंजिल चौक, पटनासिटी, बिहार
श्री गिरधारी लाल मोदी बद्री विहार अपार्टमेंट, फ्लैट नं.-७१, चौक, पटनासिटी, बिहार	**श्री अंकित अग्रवाल** नजदीक मंगल तालाब नयी सड़क चौक, पटनासिटी, बिहार	**श्री आशीष अग्रवाल** हीरा नन्द शाह लेन, चौक, पटनासिटी, बिहार	**श्री बसंत सुल्तानिया** मे. मीरा एंटरप्राइजेज, एस न.-२२, दूसरी मंजिल, बजाज प्लाजा, मछरहाटा, पटनासिटी, बिहार	**श्री सौरभ शारदा** मे. श्री विनायक प्रिंटर्स, काली स्थान, गंगा बाबु, पटनासिटी, बिहार
श्री अशोक कुमार डेमा मे. श्री शंकर राम बाबु, पटनासिटी, बिहार	**श्री गिरधारी लाल खेतान** मे. खेतान हार्डवेअर स्टोर झाउगंज, पटनासिटी, बिहार	**श्री सागर बंका** दुकान नं.-५, बजाज प्लाजा, अंडर ग्राउंड, मछरहाटा, पटनासिटी, बिहार	**श्री सुखराज जैन** पटनासिटी, बिहार	**श्री बलवंत शर्मा** मे. माँ अन्नपूर्णा ट्रांसपोर्ट पहली मंजिल देवकी मार्केट, कचहरी रोड, पटनासिटी, बिहार
श्री अभिषेक गोलवाड़ा मेमोरियल हॉस्पिटल, चौक, पटनासिटी, बिहार	**श्री विष्णु अग्रवाल** धर्मशाला गली, पटनासिटी, बिहार	**श्री अमित कुमार बंका** पटनासिटी, बिहार	**श्री रमेश कुमार टेकरीवाल** १३, बद्री विहार अपार्टमेंट, चौक, पटनासिटी, बिहार	**श्री संजय झुनझुनवाला** केशव राय घाट, चौक, पटनासिटी, बिहार
श्री संदीप बूबना नयी सड़क चौक, पटनासिटी, बिहार	**श्री आशीष बूबना** नयी सड़क चौक, पटनासिटी, बिहार	**श्री सुभाष बूबना** नयी सड़क चौक, पटनासिटी, बिहार	**श्री शम्भू प्रकाश शाह** मे. अनूप स्टोर, मासलामि पटनासिटी, बिहार	**श्री मोहित मुरारका** घघागली चौक, पटनासिटी, बिहार
श्री मुकेश कुमार मोदी शॉप नं.-१६, बी. एल. मार्केट, पटनासिटी, बिहार	**श्री सुनील कुमार झुनझुनवाला** मारवाड़ी कॉलनि, लोदी कटरा, पटनासिटी, बिहार	**श्री मनोज कुमार शर्मा** श्री कृष्णा भवन, कचौड़ी गली, पटनासिटी, बिहार	**श्री हर्ष केडिया** मे. चंदन स्टोर, फुल्लौडीगंज, पटनासिटी, बिहार	**श्री प्रदीप कुमार जालान** जयराम दास रोड, मासलामि, पटनासिटी, बिहार
श्री भरत प्रकाश शाह जयराम दास रोड, मासलामि, पटनासिटी, बिहार	**श्री ओम प्रकाश शाह** जयराम दास रोड, मासलामि, पटनासिटी, बिहार	**श्री गौरव शाह** जयराम दास रोड, मासलामि, पटनासिटी, बिहार	**श्री विवेक शाह** जयराम दास रोड, मासलामि, पटनासिटी, बिहार	**श्री पंकज शाह** जयराम दास रोड, मासलामि, पटनासिटी, बिहार
श्री रौनक शाह जयराम दास रोड, मासलामि, पटनासिटी, बिहार	**श्री रमन प्रकाश शाह** जयराम दास रोड, मासलामि, पटनासिटी, बिहार	**श्री लक्ष्मण प्रकाश शाह** मे. तिरुपति एंटरप्राइजेज जयराम दास रोड, मासलामि, पटनासिटी, बिहार	**श्री हर्ष शाह** जयराम दास रोड, मासलामि, पटनासिटी, बिहार	**श्री कंचन जगनानी** मे. साड़ी संसार, श्री श्याम कुंज, मासलामि, पटनासिटी, बिहार

S R RUNGTA GROUP
Rungta Mines Limited
Chaibasa
RUNGTA STEEL™
SOLID STEEL
Superior Technology
Greater Strength
Extreme Flexibility
500D
TMT REBARS
STEEL DIVISION
RUNGTA CHAMBERS
S.M.H.M.V. COMPLEX, CHAIBASA -833201
WEST SINGHBHUM, JHARKHAND, INDIA
Contact :
+91-6582-255261/ 361
+91-7008-012240
tmtmkt@rungtamines.com
csp@rungtamines.com
Approved by IS 1786:2008
Lic.No.-CM/L 5800021706
Approved by IS 2830:2012
Lic.No.-CM/L 5800007712

REGISTERED Postal Registration
No. KOLRMS/93/2018-2020
Date of Publication - 31st December 2020
RNI Regd. No. 2866/1968

From :
All India Marwari Federation
4B, Duckback House
41, Shakespeare Sarani, Kolkata-17
Phone : (033) 4004 4089
E-mail : aimf1935@gmail.com